राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
क्रांति समय
सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित
सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 09 सितंबर 2024 वर्ष-7, अंक-227 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

पहला कॉलम

भारत ने यूपीआई के क्षेत्र में चीन-अमेरिका को पछाड़ा, नया रिकॉर्ड बना

नई दिल्ली। भारत ने यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के क्षेत्र में चीन और अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए नया रिकॉर्ड बनाया है। अप्रैल से जुलाई 2024 तक, भारत में यूपीआई के जरिए से कुल 81 लाख करोड़ रुपए के लेन-देन किए, जो कि किसी भी डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म के द्वारा दुनिया में किया गया अब तक का सबसे बड़ा ट्रांजैक्शन है। खात बात यह है कि यूपीआई लेन-देन की संख्या में पिछले साल की तुलना में 37 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। भारतीय यूपीआई प्लेटफॉर्म ने चीन के अलीपे और अमेरिका के पेपल को पीछे छोड़ दिया है। इस उपलब्धि ने भारत के डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र को एक नई दिशा दी है और वैश्विक स्तर पर भारत की तकनीकी प्रगति को और भी साफ कर दिया है। एक रिपोर्ट से पता चलता है कि यूपीआई प्लेटफॉर्म पर अब हर सेकंड 3,729.1 लेन-देन हो रहे हैं, जबकि पिछले साल तक यह संख्या 2,348 प्रति सेकंड थी। मतलब साफ है कि यूपीआई पेमेंट में करीब 58फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इस साल जुलाई में यूपीआई से लेन-देन की कुल राशि 20.6 लाख करोड़ रुपए थी, जो किसी एक महीने में सबसे ज्यादा है। इसके अलावा, यूपीआई ट्रांजैक्शंस ने लगातार तीन महीनों तक 20 लाख करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत दुनिया में डिजिटल पेमेंट के मामले में सबसे आगे है। यहां कुल डिजिटल लेन-देन में 40फीसदी से ज्यादा पेमेंट डिजिटल तरीके से होते हैं, और इनमें से सबसे ज्यादा यूपीआई के जरिए किए जाते हैं।

श्रीलंकाई नौसेना ने 14 मछुआरों को पकड़ा, परिजनों ने किया विरोध प्रदर्शन

चेन्नई। श्रीलंकाई नौसेना ने 14 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया और उनकी नौकाओं को भी जब्त कर लिया है। श्रीलंकाई नौसेना की इस कार्रवाई के बाद मछुआरों के परिवारों और स्थानीय लोगों ने तमिलनाडु के पुदुकोट्टई जिले के जेगथापट्टिनम में रविवार को विरोध प्रदर्शन किया। बता दें कि मछुआरों को शनिवार रात गिरफ्तार किया गया था। अब लोगों का कहना है कि मछली पकड़ने के लिए समुद्र में प्रवेश करने और अपनी आजीविका चलाने के बारे में मछुआरे चिंतित हैं। उसके सामने गंभीर स्थिति पैदा हुई, लेकिन, राज्य और केंद्र सरकार ध्यान नहीं दे रही है। मछुआरों की तीन नौकाओं को श्रीलंकाई नौसेना द्वारा जब्त कर लिया था। भले ही मछुआरों को श्रीलंका में कुछ दिनों बाद रिहा कर दिया जाए लेकिन हमारी नौकाओं को नहीं छोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि 14 मछुआरों की गिरफ्तारी के विरोध में मछुआरे और उनके परिवार के सदस्य सड़कों पर बैठकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा पार करने और नेदुनथीवु के पास मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार किया। तमिलनाडु के तटीय पुलिस अधिकारियों ने कहा कि गिरफ्तार मछुआरों को श्रीलंका के कांकेसंथुराई नौसैनिक अड्डे पर ले जाया गया। गौरतलब है कि तमिलनाडु के करीब 84 मछुआरे श्रीलंकाई अधिकारियों की हिरासत में हैं। गिरफ्तारियों के कारण तमिलनाडु के रामनाथपुरम, नागापट्टिनम और पुदुकोट्टई जैसे तटीय जिलों में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है।

कांग्रेस-आप में गठबंधन का ऐलान आज

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर लंबे समय से गठबंधन के लिए जारी कोशिश अब अंतिम चरण में हैं। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन लगभग तय माना जा रहा है। बस औपचारिक ऐलान होने की देरी है। गठबंधन को लेकर शनिवार देर रात तक कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के बीच बैठक चली थी। दोनों ही दल 9 सितंबर सोमवार को ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गठबंधन का ऐलान कर सकते हैं। सूत्रों की मानें तो कांग्रेस और आप में 4+1 फॉर्मूला यानी 5 सीट के ऑफर पर बात बन गई है। सूत्रों का कहना है कि लोकसभा चुनाव में आप-कांग्रेस के संयुक्त प्रत्याशी डॉ. सुशील गुप्ता ने कुरुक्षेत्र सीट से चुनाव लड़ा था, बदकिस्मति से वो हार गए। इस लोकसभा सीट के अंतर्गत 11 विधानसभा सीटें आती हैं। चूंकि गुप्ता ने लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाली 4 विधानसभा सीट (गुहला चीका, पिहोवा, शाहाबाद और कलायत) पर जीत दर्ज की थी अतः कांग्रेस यह चारों सीट आप पार्टी को सौंप सकती है। इस स्थिति में कांग्रेस और आप के गठबंधन की घोषणा सोमबार को होने की संभावना बनी है।

कपड़ा फैक्ट्री में भीषण आग, 25 दमकलों ने पाया काबू, कोई जनहानि नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली के बक्करवाला इलाके में रविवार सुबह एक कपड़ा फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। दो मंजिला इमारत की पहली मंजिल से धुएं भर गया और आग की तेज लपटें निकलने लगी। आग पर काबू पाने दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दिल्ली अग्निशमन सेवा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बाहरी दिल्ली के बक्करवाला इलाके में राजीव रत्न आवास के पास एक कपड़े की फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही 25 दमकल गाड़ियां भेजी गईं। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। डिप्टी फायर ऑफिसर एमके चट्टोपाध्याय ने बताया कि रविवार सुबह 6ः55 बजे यह आग लगी। यह एक कमर्शियल गोदाम सह शॉपिंग कॉम्प्लेक्स है। बताया जा रहा है कि एलपीजी सिलेंडर में भी विस्फोट हुआ। आग लगने की वजह का अभी पता नहीं चल सका है।

आठ फीसदी ज्यादा हुई बारिश, 15 अक्टूबर तक विदा हो जाएगा मानसून

नई दिल्ली।

भारत के मौसम में विभिन्नता के चलते यहां बारिश में भी समानता नहीं दिखती है। इसे पांच अहम कैटेगरी में बांटा जा सकता है। बहुत कम बारिश (-99 से -60 फीसदी), कम बारिश (-59से -20 फीसदी), सामान्य (-19 से 19 फीसदी), अधिक बारिश (20 से 60 फीसदी) और बहुत अधिक बारिश (60 से 99 फीसदी)। इस साल की बात करें तो किसी भी राज्य में न तो बहुत कम बारिश हुई है या बहुत अधिक बारिश हुई है। हालांकि कुछ राज्यों में बारिश में कमी जरूर दर्ज की गई है। मणिपुर में औसत से माइनस 30 फीसदी, बिहार में माइनस 26 फीसदी, पंजाब में माइनस 23 फीसदी और जम्मू-कश्मीर में माइनस 20 फीसदी बारिश कम हुई है। वहीं, हिमाचल प्रदेश में माइनस 21 फीसदी और अरुणाचल प्रदेश में माइनस 22 फीसदी की कमी हुई है। भारत में मॉनसून खत्म होने का समय आ रहा है। हालांकि सितंबर के आखिर तक इसका असर रहने का अनुमान है। आमतौर पर मॉनसून 17 सितंबर से सिमटना शुरू होता है और 15 अक्टूबर तक पूरी तरह चला जाता है। हालांकि यह तारीखें निश्चित नहीं हैं और इनमें बदलाव होता रहता है। उदाहरण के तौर पर पिछले साल 25 सितंबर से मॉनसून का सिमटना शुरू हुआ था। इस साल भी कुछ ऐसा ही पैटर्न बनता दिखाई दे रहा है। ऐसे में मॉनसून के लंबे होने के आसार बन रहे हैं। सात सितंबर तक देश में औसत से अधिक 8 फीसदी बारिश रिकॉर्ड हुई है, लेकिन कुछ राज्यों में इसका वितरण असमान है। राजस्थान में 57 फीसदी अधिक बारिश हुई है, जो यहां के लिए जरूरी था। वहीं, मणिपुर में औसत बारिश 30 फीसदी कम रही है, जो वॉटर लेवल और किसान के लिए खतरे की घंटी है।

कुछ अन्य राज्यों में सामान्य, लेकिन औसत से कम बरसात हुई है। इनमें उत्तर प्रदेश में औसत से माइनस 14 फीसदी, असम में माइनस 13 फीसदी, हरियाणा और केरल में माइनस 10 फीसदी कम बारिश हुई है। इसके अलावा ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, मिजोरम और मेघालय में भी कुछ ऐसा ही हाल है। दूसरी तरफ दिल्ली अधिक बारिश के बिल्कुल कगार पर खड़ा है। यहां पर औसत से 19 फीसदी अधिक बारिश हुई है। जबकि 7 फीसदी अधिक बारिश के साथ मध्य प्रदेश भी इसी श्रेणी में है। इसके विपरीत, कई राज्यों में प्रचुर वर्षा दर्ज की गई। राजस्थान 57 प्रतिशत अधिक बारिश के साथ सबसे आगे है। इसके बाद तमिलनाडु और गुजरात दोनों 51 फीसदी, का नंबर आता है।

असम में जनसंख्या से ज्यादा आधार बनवाने वाले आवेदन आए

सीएम बोले-अब आसानी से नहीं बनेंगे कार्ड

गुवाहटी।

असम में घुसपैठियों पर लगाम कसने के लिए राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठा है। अब यहां आधार कार्ड बनवाना आसान नहीं होगा। खुद मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने घोषणा की कि राज्य में नए आधार कार्ड के लिए आवेदन करने वालों को नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटीजन (एनआरसी) एप्लीकेशन रिसीप्ट नंबर जमा करना अनिवार्य होगा।

उन्होंने कहा कि इससे अवैध प्रवासियों को जारी किए जा रहे पहचान पत्र पर रोक लगेगी। पत्रकारों से बात करते हुए सरमा ने कहा कि आधार कार्ड के लिए आवेदनों की संख्या राज्य की आबादी से ज्यादा हो गई है। जिससे संभावित धोखाधड़ी वाले आवेदनों को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कम-से-कम चार जिलों में आधार कार्ड धारकों की संख्या अनुमानित आबादी से ज्यादा है जो चिंताजनक है।उन्होंने कहा, आधार कार्ड के लिए आवेदनों की संख्या जनसंख्या से अधिक है। जिससे मालूम होता है कि राज्य में संदिग्ध नागरिक हैं और हमने तय किया है कि नए आवेदकों को अपना एनआरसी एप्लीकेशन रिसीप्ट नंबर जमा करना होगा। उन्होंने कहा कि राज्य में नए आधार कार्ड बनाने की प्रक्रिया को सख्त करेंगे, असम में आधार कार्ड बनवाना अब आसान नहीं होगा। हमारे इस कदम का उद्देश्य अवैध रूप से राज्य में होने वाली घुसपैठ करने वाले आमद लोगों को रोकना है।

सीएम ने राज्य के कुछ जिलों में अनियमितताओं को सामने रखा और धुबरी जिले पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, धुबरी जिले में जनसंख्या से ज्यादा आधार कार्ड जारी किए गए हैं, हो सकता है कि कुछ संदिग्ध लोगों ने आधार कार्ड बनवाए हों।उन्होंने कहा कि अगले 10 दिनों में औपचारिक अधिसूचना जारी होने की उम्मीद है, यदि आप एनआरसी के लिए आवेदन नहीं करते हैं तो आपको नई प्रक्रिया के तहत आधार कार्ड नहीं मिलेगा। हालांकि, ये नियम चाय बागान क्षेत्रों में लागू नहीं होगा। बाकी अन्य जिलों में ये नियम एक अक्टूबर से सख्ती से लागू किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि एनआरसी एप्लीकेशन रिसीप्ट नंबर जमा करने की जरूरत उन 9.55 लाख लोगों पर लागू नहीं होगी, जिनके बायोमेट्रिक्स एनआरसी प्रक्रिया के दौरान लॉक कर दिए गए थे। इन व्यक्तियों को बिना किसी अतिरिक्त शर्त के आधार कार्ड दिया जाएगा। इसके अलावा सरमा ने राज्य में अवैध प्रवासियों की पहचान करने के प्रयासों को तेज करने के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और खुलासा किया कि पिछले दो महीनों में बांग्लादेश से आए कई लोगों को पकड़ा गया है और अधिकारियों को सौंप दिया गया है।

पश्चिमी महाराष्ट्र में राहुल गाँधी की यात्रा से कांग्रेस को मिली एक नई ऊर्जा

मुंबई।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के सांगली जिले का दौरा किया. इसके बाद एक तरह से आगामी विधानसभा चुनाव अभियान का नारियल फोड़ दिया गया, जिसकी प्रतिक्रिया सोशल मीडिया पर व्यक्त की गयी। हालांकि इस दौरे में शिवसेना (ठाकरे) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, कुछ अन्य नेता अनुपस्थित रहे। लेकिन महाविकास अघाड़ी के बाकी दल के नेता मंच पर थे। राहुल गांधी ने देश की राजनीतिक और सामाजिक स्थिति को जिस प्रकार से स्पष्ट किया उससे सत्तारूढ़ दल में बेचैनी छा गई है। उन्होंने मोदी सरकार की आलोचना करते हुए कहा, पहले आप गलती करें और फिर माफी मांगने का समय आ जाए। राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र के डीएनए में कांग्रेस है, जिससे कांग्रेस और कार्यकर्ताओं को ताकत मिलेगी। आपको बता दें कि लोकसभा चुनाव के दौरान सांगली निर्वाचन क्षेत्र पूरे राज्य में मशहूर हो गया था. कांग्रेस का गढ़ रहे इस जिले में एक बार फिर कांग्रेस का सांसद बना. अब जब विधानसभा की बयार चल रही है, तो ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि सांगली का चुनाव फिर से लोकसभा की तरह दिलचस्प होगा। लोकसभा चुनाव के दौरान यहां कांग्रेस एकजुट होकर लड़ी और जीत हासिल की. विधान सभा में वह प्रयोग दोहराया जाएगा या नहीं, इस पर अब लोगों का ध्यान है. बहरहाल आज की तस्वीर ये है कि सांगली दिल्ली तक खबरों में बना रहेगा। वहीं राहुल की यात्रा ने पश्चिमी महाराष्ट्र में कांग्रेस को एक नई ऊर्जा और ताकत दिया है और कार्यकर्ता भी रिचार्ज हो गये हैं।

मणिपुर में फिर हिंसा: पांच की मौत

-शस्त्रागार से हथियार लूटने की कोशिश, सेना का हेलीकॉप्टर कर रहा गश्त

इंफाल।

मणिपुर में फिर हिंसा भड़क गई है। जिरीबाम जिले में भड़की हिंसा में पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं एक व्यक्ति की सोते समय हत्या कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि कुछ बदमाशों ने इंफाल पूर्वी जिले में मणिपुर राइफल्स की दो बटालियनों के शस्त्रागार से हथियार लूटने का प्रयास किया, लेकिन सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले और कई राउंड फायर करके भीड़ को तितर-बितर कर दिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि विगत दिवस कुछ बदमाशों ने 7वीं और 2वीं मणिपुर राइफल्स बटालियन से हथियार लूटने की कोशिश की, लेकिन संयुक्त सुरक्षा बलों ने भीड़ को तितर-बितर कर दिया। सुरक्षा दल खाबेइसोई में स्थापित 7वीं बटालियन से लौट रहा था, तो बदमाशों ने उन पर गोलियां बरसाईं, जिसमें दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। वरिष्ठ अधिकारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रण में लिया। पुलिस ने अपील की है कि वे कानून को अपने हाथ में न लें। इस तरह के दुस्साहस करने वालों के खिलाफ सख्ती से निपटा जाएगा और उन्हें गंभीर कानूनी परिणाम भुगतने होंगे।

इस बीच हिंसा की घटनाओं के चलते हवाई गश्त करने के लिए सैन्य हेलीकॉप्टर तैनात किया गया है और उग्रवादियों के ड्रोन को मार गिराने के लिए एंटी ड्रोन प्रणाली तैनात की गई है। बता दें कि पिछले साल मई में मणिपुर में जातीय हिंसा भड़कने के बाद, हिंसक भीड़ ने मणिपुर पुलिस के शस्त्रागार और जिलों में अन्य सुरक्षा चौकियों से चार हजार से ज्यादा अत्याधुनिक हथियार और गोला-बारूद लूट लिया था। सुरक्षा बलों ने बाद में बड़ी संख्या में लूटे गए हथियार और गोला-बारूद बरामद किए थे।

कई क्षेत्रों में अमेरिका और चीन के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा है: जयशंकर

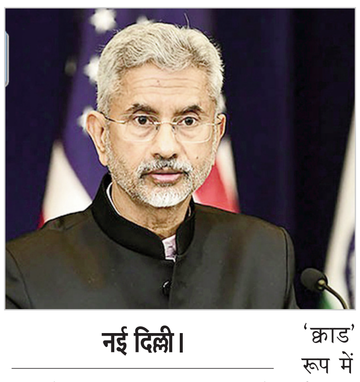

नई दिल्ली।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि अमेरिका और चीन के बीच कई क्षेत्रों में कड़ी प्रतिस्पर्धा है जिसे पूरी दुनिया देख रही है। उन्होंने कहा कि भारत समान विचारधारा वाले साझेदारों के साथ काम करने के लिए तैयार है और 'क्वाड' ग्रुप में भारत की भूमिका इस तरह के दृष्टिकोण का एक उदाहरण है। जयशंकर ने प्रमुख भू-राजनीतिक घटनाक्रम पर कहा कि दुनिया कई क्षेत्रों में अमेरिका और चीन के बीच और कड़ी प्रतिस्पर्धा देख रही है। भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान की सदस्यता वाला 'क्वाड' एक प्रमुख गठबंधन के रूप में उभरा है, जो क्षेत्र में चीन के बढ़ते दबदबे की पृष्ठभूमि में एक स्वतंत्र, खुला और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करने की दिशा में काम करने पर ध्यान दे रहा है। पिछले कुछ दशकों में अंतरराष्ट्रीय संबंधों से जुड़े घटनाक्रम के संदर्भ में, विदेश मंत्री ने कहा कि कई बड़ी शक्तियां कुछ नहीं करके भी संतुष्ट हैं जबकि नई शक्तियां आगे बढ़ने में ज्यादा संकोच कर रही हैं। उन्होंने कहा कि कई स्थितियों में, क्षेत्रीय रूप से महत्वपूर्ण शक्तियों को अपनी समस्याएं खुद ही सुलझाने के लिए छोड़ दिया जाता है। इसके अलावा हम कई क्षेत्रों में अमेरिका और चीन के बीच और कड़ी प्रतिस्पर्धा देख रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यदि हम इसको ध्यान में रखें कि एआई, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, अंतरिक्ष या ड्रोन जैसी प्रौद्योगिकी की प्रगति शक्ति संतुलन को मजबूती से आकार दे सकती हैं, तो वैश्विक गणित और भी ज्यादा कठिन दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि संक्षेप में, यह वह विश्व है जिससे हमारा सामना होता है।

भेड़िये के बाद अब सियारों का आतंक

हमले में 5 बच्चे समेत कई घायल, गांवों में फैली दहशत

पीलीभीत।

उत्तर प्रदेश में सियार और भेड़ियों का आतंक बढ़ता ही जा रहा है। लाख प्रयास के बाद भी आए दिन घटनाएं हो रही हैं। बीते 4 दिन में दो अलग-अलग जगहों पर सियार पांच बच्चों पर हमला कर लहूलुहान कर चुका है। इन बच्चों को बचाने गए परिजनों पर भी सियार ने हमला कर दिया। साथ ही राह चलते बुजुर्गों को भी काट लिया। इस तरह अब तक सियार के हमले से एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो चुके हैं। सियार, भेड़िया के ही वंशज माने जाते हैं। इन्हें गीदड़ भी कहा जाता है। फिलहाल हमले के बाद से पूरे जिले में भेड़िए के हमले की भी अफवाह खूब उड़ रही है।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डीएफओ मनीष सिंह ने बताया की सियार के हमले लगातार हो रहे हैं। सियार भी भेड़िया की प्रजाति में आते हैं। अभी तक जितने लोग भी घायल हुए हैं। वह ज्यादा गंभीर घायल नहीं हैं। हम मॉनिटरिंग कर रहे हैं। सियार आक्रामक इसलिए हुए हैं, क्योंकि बारिश हो रही है। मनीष सिंह के मुताबिक सियार के मांद में पानी भर गया है। जिससे ये बाहर आकर टहल रहे हैं। वहीं इस समय सियार का मीटिंग पीरियड भी होता है। ऐसे में मीटिंग पीरियड के समय यह आक्रामक हो जाते हैं। फिलहाल हम इन पर नजर रखे हुए हैं। सियार और भेड़िया नदी व नहरों के किनारे रहते हैं।

जानकारी के मुताबिक जहानाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम सुस्वार में शनिवार की सुबह नहर पर टहलने गए मासूम बच्चों पर सियार ने हमला बोल दिया। इस पर बच्चों को बचाने गये ग्रामीणों पर भी सियार ने हमला कर दिया। इस घटना में 3 बच्चों सहित 7 लोग घायल हो गए। जिनका इलाज जहानाबाद समुदायिक केंद्र में चल रहा है। सियार के हमले से बच्चे सहम गए हैं। पोली गांव में एक सियार ने बुजुर्ग पर भी हमला कर घायल कर दिया। इससे गुस्साए नाराज ग्रामीणों ने सियार को घेरकर मौत के घाट उतार दिया। एसडीएम व वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है। सियार के हमले से लोगों में दहशत का माहौल है। इसी तरह दो दिन पहले पूरनपुर तहसील के सेरामऊ गांव में बच्चे खेल रहे थे। उसी समय गन्ने के खेत से निकलकर सियार ने बच्चों पर हमला कर दिया। वहीं पास में खड़े उनके परिजनों को पर भी सियार ने हमला कर दिया। इस हमले में भी दो बच्चे सहित एक युवक घायल हो गया।

कुल मिलाकर बीते 4 दिन में सियार के अलग-अलग हमले में एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हुए है। जिससे पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्षमा की धरती को उर्वरा बनाते हैं मैत्री के फूल

(लेखक--ललित गर्ग)

(विश्व मैत्री दिवस - 9 सितम्बर पर विशेष)

भगवान महावीर ने क्षमा यानि समता का जीवन जीया। वे चाहे कैसी भी परिस्थिति आई हो, सभी परिस्थितियों में सम रहे। ''क्षमा वीरो का भूषण है''-महान् व्यक्ति ही क्षमा ले व दे सकते हैं। पर्युषण पर्व क्षमा के आदान-प्रदान का पर्व है। इस दिन सभी अपनी मन की उलझी हुई ग्रंथियों को सुलझाते हैं, अपने भीतर की राग-द्वेष की गांठों को खोलते हैं वह एक दूसरे से गले मिलते हैं। पूर्व में हुई भूलों को क्षमा के द्वारा समाप्त करते हैं व जीवन को पवित्र बनाते हैं।

जैनधर्म की त्याग प्रधान संस्कृति में पर्युषण पर्व का अपना अपूर्व एवं विशिष्ट आध्यात्मिक महत्व है। यह एकमात्र आत्मशुद्धि का प्रेरक पर्व है। इसीलिए यह पर्व ही नहीं, महापर्व है। संपूर्ण जैन समाज इस पर्व के अवसर पर जागृत एवं साधनारत हो जाता है। आठ दिनों की कठोर साधना के बाद मैत्री दिवस का आयोजन होता है। पर्युषण पर्व का हृदय है-'क्षमापना दिवस' जिसे मैत्री दिवस भी कहते हैं। इस दिन अपनी भूलों या गलतियों के लिए क्षमा मांगना एवं दूसरों की भूलों को भूलना, माफ करना, यही इस पर्व को मनाने की सार्थकता सिद्ध करता है। यदि कोई व्यक्ति इस दिन भी दिल में उलझी गांठ को नहीं खोलता है, तो वह अपने सम्यग्दर्शन की विशुद्धि में प्रश्न चिन्ह खड़ा कर लेता है। क्षमायाचना करना, मात्र वाचिक जाल बिछाना नहीं है। परंतु क्षमायाचना करना अपने अंतर को प्रसन्नता से भरना है। बिछुड़े हुए दिलों को मिलाना है, मैत्री एवं करुणा की स्रोतस्विनी बहाना है। मैत्री पर्व का दर्शन बहुत गहरा है। मैत्री तक पहुंचने के लिए क्षमायाचना की तैयारी जरूरी है। क्षमा लेना और क्षमा देना मन परिष्कार की स्वस्थ परम्परा है। क्षमा मांगने वाला अपनी कृत भूलों को स्वीकृति देता है और भविष्य में पुनः न दुहराने का संकल्प लेता है जबकि क्षमा देने वाला आग्रह मुक्त होकर अपने ऊपर हुए आघात या हमलों को बिना किसी पूर्वाग्रह या निमित्तों को सह लेता है। क्षमा ऐसा विलक्षण आधार है जो किसी को मिटाता नहीं, सुधरने का मौका देता है। भगवान महावीर ने कहा-'अहो ते खंति उत्तमा'-क्षांति उत्तम धर्म है। 'तितिक्खं परमं नच्चा'-तितिक्षा ही जीवन का परम तत्व है, यह जानकर क्षमाशील बनो। पयुर्षण महापर्व से जुड़ा मैत्री पर्व मानव-मानव को जोड़ने व मानव हृदय को संशोधित करने का पर्व है, यह मन की खिड़कियों, रोशनदानों व दरवाजों को खोलने का पर्व है, जो एकाग्रता एवं एकांत आध्यात्मिक जिज्ञासाएं जगाकर एक समृद्ध एवं अलौकिक अनुभव तक ले जाता है। इस भीड़भाड़ से कहीं दूर सबसे पहली जो चीज व्यक्ति इस पर्युषण की साधना से सीखता है वह है -'अनुशासनयुक्त मैत्रीमय जीवन।' यह विलक्षण साधना तनावमुक्ति का विशिष्ट प्रयोग है जिससे शरीर को आराम मिलता है, अपने आपको, अपने भीतर को, अपने सपनों को, अपनी आकांक्षाओं तथा उन प्राथमिकताओं को जानने का यह अचूक तरीका है, जो घटना-बहुल जीवन की दिनचर्या में दब कर रह गयी है। इस दौरान परिवर्तन के लिये कुछ समय देकर हम अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकते हैं तथा साथ ही इससे अपनी आंतरिक प्रकृति को समझ सकते हैं, उसे उन्नत एवं समृद्ध बना सकते हैं।

भगवान महावीर ने क्षमा यानि समता का जीवन जीया। वे चाहे कैसी भी परिस्थिति आई हो, सभी परिस्थितियों में सम रहे। ''क्षमा वीरो का भूषण है''-महान् व्यक्ति ही क्षमा ले व दे सकते हैं। पर्युषण पर्व क्षमा के आदान-प्रदान का पर्व है। इस दिन सभी अपनी मन की उलझी हुई ग्रंथियों को सुलझाते हैं, अपने भीतर की राग-द्वेष की गांठों को खोलते हैं वह एक दूसरे से गले मिलते हैं। पूर्व में हुई भूलों को क्षमा के द्वारा समाप्त करते हैं व जीवन को पवित्र बनाते हैं। पर्युषण महापर्व का समापन मैत्री दिवस के साथ होता है। इस तरह से पर्युषण महापर्व एवं क्षमापना दिवस- यह एक दूसरे को निकटता में लाने का पर्व है। यह एक दूसरे को अपने ही समान समझने का पर्व है। गीता में भी कहा है - 'आत्मौपम्येन सर्वत्र:, समे पश्यति योर्जुन''-श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा-हे अर्जुन ! प्राणीमात्र को अपने तुल्य समझो। भगवान महावीर ने कहा-''मित्ती में सव्व भूएसु, वेरंमज्झण केणइ'' सभी प्राणियों के साथ मेरी मैत्री है, किसी के साथ वैर नहीं है। मानवीय एकता, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, मैत्री, शोषणविहीन सामाजिकता, नैतिक मूल्यों की स्थापना, अहिंसक जीवन, आत्मा की उपासना शैली का समर्थन आदि तत्त्व इस पर्व के मुख्य आधार हैं। ये तत्त्व जन-जन के जीवन का अंग बन सके, इस दृष्टि से इस महापर्व को जन-जन का पर्व बनाने के प्रयासों की अपेक्षा है। पर्युषण पर्व आत्म उन्नति, अहिंसा, शांति और मैत्री का पर्व है। अहिंसा और मैत्री के द्वारा ही शांति मिल सकती है। आज जो हिंसा, युद्ध, आतंक, आपसी-द्वेष, नक्सलवाद एवं भ्रष्टाचार जैसी ज्वलंत समस्याएं न केवल देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए चिंता का बड़ा कारण बनी हुई है और सभी कोई इन समस्याओं का समाधान चाहते हैं। उन लोगों के लिए मैत्री पर्व एक प्रेरणा है, पाथेय है, मार्गदर्शन है और अहिंसक-निरोगी-शांतिमय जीवन शैली का प्रयोग है। आज भौतिकता एवं स्वार्थपूर्ण जीवन की चकाचौंध में, भागती जिंदगी की अंधी दौड़ में इस पर्व की प्रासंगिकता बनाये रखना ज्यादा जरूरी है। इसके लिए जैन समाज संवेदनशील बने विशेषतः युवा पीढ़ी मैत्री पर्व की मूल्यवत्ता से परिचित हो और वे आत्मचेतना को जगाने वाले इन दुर्लभ क्षणों से स्वयं लाभान्वित हो और जन-जन के सम्मुख मैत्री का एक आदर्श प्रस्तुत करे। तथागत बुद्ध ने कहा-क्षमा ही परमशक्ति है। क्षमा ही परम तप है। क्षमा धर्म का मूल है। क्षमा के समकक्ष दूसरा कोई भी तत्व हितकर नहीं है। क्योंकि प्रेम, करुणा और मैत्री के फूल सहिष्णुता और क्षमा की धरती पर ही खिलते हैं। 'सबके साथ मैत्री करो' यह कथन बहुत महत्त्वपूर्ण है किंतु हम वर्तमान संबंधों को बहुत सीमित बना लेते हैं। दर्द सबका एक जैसा होता है, पर हम चेहरों को देखकर अपना-अपना अन्दाज लगाते हैं। यह स्वार्थपरक व्याख्या हमें प्रेम से जोड़ सकती है मगर करुणा से नहीं। प्रेम में स्वार्थ है, राग-द्वेष के संस्कार है, जबकि करुणा परमार्थ का पर्याय बनती है। कहा जाता है-'वसुधैव कुटुम्बकम' वसुधा कुटुम्ब है, परिवार है। 'मित्ती में सव्व भूएसु वेरं मज्झ न केणई'- यह सार्वभौम अहिंसा एवं सौहार्द का ऐसा संकल्प है जहां वैर की परम्परा का अंत होता है। मित्रता का भाव हमारे आत्म-विकास का सुरक्षा कवच है। आचार्य श्री तुलसी ने इसके लिए सात सूत्रों का निर्देश किया। मित्रता के लिए चाहिए- विश्वास, स्वार्थ-त्याग, अनासक्ति, सहिष्णुता, क्षमा, अभय, समन्वय। यह सप्तपदी साधना जीवन की सार्थकता एवं सफलता की पृष्ठभूमि है। विकास का दिशा-सूचक यंत्र है। मित्रता का यह पर्व आमंत्रित कर रहा है अपनी ओर, बांहें फैलाये हुए, हमें बिना कुछ सोचे, ठिठके बगैर, भागकर मित्रता की पगडंडी को पकड़ लेने के लिये। जीवन रंग-बिरंगा है, यह श्वेत है और श्याम भी। मित्रता की यही सरगम कभी कानों में

जीवनराग बनकर घुलती है तो कहीं उठता है संशय का शोर। मित्रता को मजबूत बनाता है हमारा संकल्प, हमारी जिजीविषा, हमारी संवेदना लेकिन उसके लिये चाहिए समर्पण एवं अपनत्व की गर्माहट। यह जीना सिखाता है, जीवन को रंग-बिरंगी शक्ल देता है। प्रेरणा देता है कि ऐसे जिओ कि खुद के पार चले जाओ। ऐसा कर सके तो हर अहसास, हर कदम और हर लम्हा खूबसूरत होगा और साथ-साथ सुन्दर हो जायेगी जिन्दगी। मानवीय संवेदनाओं एवं आपसी रिश्तों की जमीं सूखती जा रही है ऐसे समय में एक दूसरे से जुड़े रहकर जीवन को खुशहाल बनाने और दिल में जादुई संवेदनाओं को जगाने का सशक्त माध्यम है मैत्री दिवस। क्षणिक और स्वार्थों पर टिकी मित्रता वास्तव में मित्रता नहीं, केवल एक पहचान मात्र होती है ऐसे मित्र कभी-कभी बड़े खतरनाक भी हो जाते हैं। जिनके लिए एक विचारक ने लिखा है- ''पहले हम कहते थे, हे प्रभु! हमें दुश्मनों से बचाना परन्तु अब कहना पड़ता है, हे परमात्मा, हमें दोस्तों से बचाना।'' दुश्मनों से भी ज्यादा खतरनाक होते हैं दोस्त। विश्व मैत्री दिवस वैयक्तिक स्वार्थों को एक ओर रखकर औरों को सुख बांटने एवं दुःख बटोरने की मनोवृत्ति को विकसित करने का दुर्लभ अवसर प्रदत्त करता है। इस दिवस को मनाने का मूल हार्द यही है कि मित्रता में विचार-भेद और मत-भेद भले ही हों मगर मन-भेद नहीं होना चाहिए। क्योंकि विचार-भेद क्रांति लाता है जबकि मन-भेद विद्रोह। क्रांति निर्माण की दस्तक है, विद्रोह बरबादी का संकेत।

संपादकीय

मुफ्त की राजनीति का हश्र

पंजाब-हिमाचल की बढ़ती आर्थिक मुश्किलें

धीरे-धीरे पंजाब व हिमाचल सरकारों के मुखियाओं को अहसास होने लगा है कि वित्तीय संकट दरवाजे पर दस्तक दे रहा है। लगातार बढ़ते राजस्व घाटे व बड़ी होती देनदारियों से सत्ता में बैठे राजनेताओं को बखूबी पता चल रहा है कि सस्ती लोकप्रियता पाने के लिये मुफ्त का जो चंदन घिसा जा रहा था, वह राज्य की अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ रहा है। यहां तक कि कर्मचारियों को वेतन व रिटायर कर्मियों को समय पर पेंशन देने में मुश्किल आ रही है। गाल बजाकर बड़ी-बड़ी घोषणाएं करने वाले राजनेता तनख्वाह व पेंशन की तारीख आगे बढ़ाकर दावा कर रहे हैं कि इससे राज्य को आर्थिक बचत होने वाली है। संवेदनहीन राजनेताओं को इस बात का अहसास नहीं है कि वेतन पर आश्रित कर्मियों को राशन-पानी, बच्चों की स्कूल की फीस व लोन की ईएमआई समय पर चुकानी होती है। जिसको लेकर बैंक कोई रहम नहीं दिखाते हैं। राजनेताओं के आय के तमाम वैध-अवैध स्रोत होते हैं, कर्मचारी तो इकलौती तनख्वाह के भरोसे जीवन-यापन करता है। बहरहाल, चुनाव से पूर्व मुफ्त प्रलोभनों की तमाम घोषणाएं करने वाले राजनेताओं को अहसास हो चला है कि राज्य के खजाने में उनकी राजनीतिक विलासिता का बोझ ढोने का दमखम नहीं बचा है। विभिन्न दलों की शाहखर्ची ने राज्यों की आर्थिकी की हालत पहले ही पस्त कर रखी है। राजनेताओं ने कभी वित्तीय अनुशासन का पालन नहीं किया। दिल्ली से लेकर पंजाब तक आप सरकारों ने तमाम तरह की मुफ्त की रेवड़ियां बांटी हैं। दरअसल, जिस भी नागरिक सुविधा को मुफ्त किया जाता है, उस विभाग का तो भट्ठा बैठ जाता है। फिर उसकी आर्थिकी कभी नहीं संभल पाती। कैग की हालिया रिपोर्ट बताती है कि पंजाब में एक निर्धारित यूनिट तक मुफ्त बिजली बांटे जाने से राज्य के अस्सी फीसदी घरेलू उपभोक्ता मुफ्त की बिजली इस्तेमाल कर रहे हैं। जाहिरा बात है कि मुफ्त में कुछ नहीं मिलता। मुफ्त की राजनीति के चलते इन महकमों के विस्तार व विकास पर ब्रेक लग जाता है। बहरहाल, पंजाब के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग की हालिया रिपोर्ट राज्य की वित्तीय प्राप्तियों और खर्चे के बीच बढ़ते राजकोषीय अंतर की ओर इशारा करती है। बीते वित्तीय वर्ष की आर्थिक बदहाली को दर्शाती कैग की रिपोर्ट बताती है कि कैसे राज्य सरकार की आय का बड़ा हिस्सा पुराने कर्ज चुकाने में चला जा रहा है। यह भी चिंताजनक है कि राज्य का राजस्व घाटा, सकल राज्य घरेलू उत्पाद के 1.99 फीसदी लक्ष्य के मुकाबले 3.87 फीसदी तक जा पहुंचा है। यह बेहद चिंताजनक स्थिति है कि राज्य का सार्वजनिक ऋण जीएसडीपी का 44.12 फीसदी हो गया है। यदि अब भी सत्ताधीश वित्तीय अनुशासन का पालन नहीं करते तो निश्चित ही राज्य को बड़ी मुश्किल की ओर धकेलने जैसी बात होगी। जिसका उदाहरण सामने है कि बीते माह का वेतन निर्धारित समय पर नहीं मिल पा रहा है। इसके बावजूद यदि राजनेता शाहखर्ची से बाज नहीं आते और मुफ्त की रेवड़ियों को बांटने का क्रम जारी रखते हैं तो उसकी कीमत न केवल टैक्स देने वालों को चुकानी पड़ेगी बल्कि आम लोगों के जीवन पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ेगा। वहीं दूसरी ओर राज्य का खर्चा जहां 13 प्रतिशत की गति से बढ़ रहा है, वहीं राजस्व प्राप्तियां 10.76 फीसदी की दर से बढ़ रही हैं। जाहिर है, ये अंतर राज्य की आर्थिक बदहाली की तस्वीर ही उकेरता है।

स्वस्थ और सुखी समाज के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण

मीडिया की भूमिका पर ब्रह्माकुमारीज की राष्ट्रीय सेमिनार!

ब्रह्माकुमारीज मुख्यालय माउंट आबू के समन्वयक बीके शांतनु के संयोजन में देशभर से चुनिंदा पत्रकारो,मीडिया प्राध्यापको व संस्थान प्रमुखों के माध्यम से मीडिया की वर्तमान दशा व दिशा पर चिंतन के लिए ,पत्रकारों को आध्यात्मिकता से जोड़कर उनके चारित्रिक उत्थान के लिए व स्वस्थ व सुखी समाज की पुनः स्थापना के लिए यह मीडिया सेमिनार आयोजित की जा रही है ब्रह्माकुमारीज मीडियाविंग के चेयरपर्सन बीके करुणा भाई की इस मीडिया सेमिनार रूपी यज्ञ के आयोजन में महती भूमिका है।

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

स्वस्थ और सुखी समाज के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण ःमीडिया की भूमिकाविषय पर ब्रह्माकुमारीज संस्था 26 से 30 सितंबर तक माउंट आबू के आनंद सरोवर में राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन कर रही है। इस राष्ट्रीय मीडिया सेमिनार में बड़ी संख्या में मीडिया कर्मियों के भाग लेने की व्यवस्था की गई है । इस राष्ट्रीय मीडिया सेमिनार का मुख्य उद्देश्य मीडिया के क्षेत्र में नकारात्मकता को दूर कर सकारात्मक पत्रकारिता की ओर पत्रकारों को प्रेरित करना है, साथ ही पत्रकारों के मानसिक तनाव को राजयोग के अभ्यास से कम करना है। ब्रह्माकुमारीज प्रेरित करती है कि पत्रकार ऐसे लोगों की आवाज को उठाएं जो असक्त हैं और अपनी स्वयं की रक्षा नहीं कर सकते।

यदि पत्रकारों को मूल्यनिष्ठ ,कर्तव्यनिष्ठ व चरित्रवान बनाने के लिए समय समय पर प्रशिक्षित किया जाए तो मीडिया जगत में सच परोसने वालो की संख्या बढ़ सकती है।इसी सोच को आगे बढाने के लिए ब्रह्माकुमारीज का मीडियाविंग पत्रकारिता को आध्यात्मिकता से जोड़ने की वकालत करता रहा है। ब्रह्माकुमारीज मुख्यालय माउंट आबू के समन्वयक बीके शांतनु के संयोजन में देशभर से चुनिंदा पत्रकारो,मीडिया प्राध्यापको व संस्थान प्रमुखों के माध्यम से मीडिया की वर्तमान दशा व दिशा पर चिंतन के लिए ,पत्रकारों को आध्यात्मिकता से जोड़कर उनके चारित्रिक उत्थान के लिए व स्वस्थ व सुखी समाज की पुनः स्थापना के लिए यह मीडिया सेमिनार आयोजित की जा रही है।ब्रह्माकुमारीज मीडियाविंग के चेयरपर्सन बीके करुणा भाई की इस मीडिया सेमिनार रूपी यज्ञ के आयोजन में महती भूमिका है।वे मानते है कि मीडिया अपनी सार्थक जिम्मेदारी निभा रहा है और मीडिया का राष्ट्रीय व सामाजिक सरोकारों को आमजन के सामने लाने में अहम योगदान है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान पिछले 27 वर्षों से पत्रकारिता को आध्यात्मिकता से जोड़कर देश विदेश के पत्रकारों को मूल्यनिष्ठ पत्रकारिता के लिए प्रशिक्षित कर रहा है।वर्तमान दौर में मीडिया के माध्यम से परोसे जा रहे सत्य की सारगर्भित विवेचना होने और देश की अर्थव्यवस्था, चुनाव, राजनीति व मीडिया की स्वतंत्रता को भी रेखांकित किया गया है। मीडिया की विभिन्न चुनोतियो की ओर ध्यानाकर्षण कराने और मिडिया पर आए संकट को भी परिभाषित करने की सोच बनी है। देश मे सच लिखने वाले अच्छे पत्रकारों की आज भी कमी नही है ,लेकिन अगर ब्रह्माकुमारीज जैसी संस्थाओं के माध्यम से पत्रकारों को समय समय पर मिशनरी पत्रकारिता के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है,उन्हें राजयोग का नियमित अभ्यास कराकर उन्हें उनका कर्तव्य बोध कराया जाता है तो अप्रमाणिक ख़बर परोसने वालो की संख्या घट सकती है और सत्य आधारित मूल्यपरक पत्रकारों की संख्या में आशातीत बढ़ोतरी हो सकती है।राजयोगिनी उषा बहन मीडिया के संदर्भ में युवा पत्रकारों के चरित्रनिर्माण पर जोर देती है ,उनका कहना है कि देश और समाज को उन्नत करने के लिए मूल्यो को समझना व उनपर चलना जरूरी है। मीडिया में अपेक्षित सुधार के लिए ब्रह्माकुमारीज के द्वारा आयोजित की जाने वाली नेशनल मीडिया सेमिनारों की आज के दौर में सबसे ज्यादा आवश्यता है।

तभी मीडिया अच्छे काम करके देश व समाज मे अपनी सार्थक भूमिका निभा सकता है।वरिष्ठ राजयोगी एवं ज्ञानामृत के संपादक ओमप्रकाश भाई का मानना है कि लोकतंत्र में मीडिया के महत्व को नकारा नही जा सकता और ब्रह्माकुमारीज के इस विषयक योगदान की सराहना होनी ही चाहिए।क्योंकि ब्रह्माकुमारीज के माध्यम से पत्रकारों को निरन्तर मूल्याधारित पत्रकारिता का प्रशिक्षण देकर हालात बदले जा रहे है,जो सार्थक परिणामो का असर है।ओमशांति मीडिया के संपादक बीके गंगाधर भाई कहते है कि पत्रकारों द्वारा की गई सामाजिक सेवा व सामाजिक मूल्यों को बचाये रखने के पत्रकारों के योगदान के भुलाया नही जा सकता।साथ ही वे अच्छी सोच विकसित करने पर भी जोर देते है ,तभी हम मीडिया को अच्छा बना सकते है। मीडिया में आये दिन हो रहे बदलाव और उसके प्रभाव को लेकर भी इस मीडिया सेमिनार में भी चर्चा होगी,ऐसी उम्मीद है।पत्रकारिता के क्षेत्र में नए विद्यार्थियों की अपेक्षाओं और इस दिशा में आमजनमानस की सोच को रेखांकित करते हुए बाजारवाद के बाद भी मूल्यों का बचा रहना ब्रह्माकुमारीज जैसी संस्थाओं के माध्यम से ही संभव हो पा रहा है।मीडिया सम्मेलन में देशभर से हर एक साल में 2 बार भाग लेने वाले पत्रकार संकल्प लेते है कि वे ब्रह्माकुमारीज से जाकर अपनी लेखनी के माध्यम से सकारात्मक खबरों को बढ़ावा देंगे,क्योंकि पत्रकारिता में आध्यात्म के समावेश से ही समृद्ध भारत की तस्वीर बनेगी। पत्रकार अपने समाचार के माध्यम से समाज में आशा जगाने वाली सकारात्मक खबरों को प्रस्तुत करने की पहल भी ब्रह्माकुमारीज से प्रेरित होकर करते है। इससे ही मीडिया समाज को मानसिक स्वास्थ्य परोस सकता है। समाज और जीवन को प्रभावित करने वाली जो भी गतिविधियां हमारे समाज में हैं, उसमें समाज को प्रभावित करने के लिए मीडिया एक महत्वपूर्ण माध्यम है। मीडिया समाज लोक मंगल कार्य में बहुत प्रभावकारी है। जैसे डॉक्टर शरीर के स्वास्थ्य के लिए है, उसी प्रकार मीडिया मानसिक स्वास्थ्य समाज को दे सकता है। अगर देश को सही मायने में स्वर्णिम भारत बनाना है तो मीडिया को सच्चाई दिखाने के दरवाजे खोलने पड़ेंगे।गोड़लीवुड स्टूडियो के वरिष्ठ राजयोगी हरिलाल भाई मानते है कि ब्रह्माकुमारीज के पवित्र वातावरण में आकर पत्रकारों को पवित्रता का सुखद अनुभव होता है और उनके मन को शांति मिलती है,जो उनके सेवाकार्य में मददगार सिद्ध होती है।वे संस्था के अतीत पर प्रकाश डालते हुए बताते है कि वर्ष 1937 में बहुत छोटे स्तर पर सिंध प्रांत कराची में ब्रह्माकुमारीज संस्थान की नींव ओम मंडली के रूप में रखी गई थी और अपनी इतने वर्षों की यात्रा में आज यह संस्था विश्व के 140 देशों में 8500 से अधिक सेवाकेंद्रों के माध्यम से राजयोग मेडिटेशन और आध्यात्म का संदेश दे रहा है । ब्रह्माकुमारीज में पचास हजार ब्रह्माकुमारी बहनें तन-मन-धन से समर्पित रूप से सेवाएं दे रही हैं,वही दुनियाभर में संस्था के 20 लाख विद्यार्थी नियमित राजयोग ध्यान करते हैं। जो अपने आप मे सुखद व विश्व शांति का कारक है।ब्रह्माकुमारीज से देश की राष्ट्रपति जहां सीधे जुड़ी है वही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी ब्रह्माकुमारीज के विश्व स्तरीय योगदान से प्रभावित है।ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासिका 100 वर्षीया राजयोगिनी रतनमोहिनी दादी के नेतृत्व में मिडियाविंग का यह प्रयास पत्रकारिता के सुखद भविष्य की ओर इंगित करता है।

(लेखक विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ के उपकुलपति व वरिष्ठ पत्रकार है)

विचार मंथन

मणिपुर में ट्रिपल इंजन की सरकार होते हुए भी हिंसा का समाधान क्यों नहीं?

(लेखक- सनत जैन)

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा में 06 लोगों की मौत हो गई। वर्तमान में भड़की हिंसा ने राज्य की स्थिति को और गंभीर बना दिया है। बिष्णुपुर जिले में हुए ड्रोन और रॉकेट के हमले ने मणिपुर में दोनों समुदायों के बीच तनाव को और बढ़ा दिया है। इस प्रकार की घटनाएँ राज्य की आंतरिक एवं बाहय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन गई है। मणिपुर की घटनाएं मानवता के प्रति असंवेदनशीलता को दर्शाती हैं। राज्य में मेतेई और कुकी समुदाय के बीच टकराव का लंबा सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। स्थानीय निवासियों के बीच अविश्वास और विभाजन की गहरी खाई ने राज्य में शांति की संभावनाओं को एक तरह से खत्म कर दिया है। दोनों ही समुदाय के बीच में विश्वास पैदा नहीं हो पा रहा है। मणिपुर में शांति स्थापित करने के लिए सुरक्षा बलों की कार्रवाई पर्याप्त नहीं है। सरकार को समझना होगा, इस समस्या का समाधान सैन्य शक्ति से नहीं वरन दोनों समुदायों के बीच विश्वास और भाईचारा बढ़ाकर ही हो सकता है।

इसके लिए राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर ठोस कदम उठाने होंगे। ड्रोन जैसे आधुनिक हथियारों का उपयोग हिंसा में किया जा रहा है। जो चिंताजनक है। घातक हथियारों का इस्तेमाल नागरिक इलाकों में एक दूसरे समुदाय पर डर का माहौल बनाने के लिए किया जा रहा है। इससे स्थानीय लोग भयभीत हैं। उनका जीवन संकट में है। हजारों लोग हिंसा से प्रभावित होकर पिछले एक साल से शिवरों में रह रहे हैं। छोटे-छोटे बच्चे और महिलाएं भूख और कुपोषण का शिकार हो रहे हैं। सालभर से स्कूल कॉलेज बंद हैं। एक समुदाय के लोग दूसरे समुदाय के इलाकों में नहीं जा सकते हैं। अस्पतालों मे लोगों को इलाज नहीं मिल पा रहा है। मणिपुर में जो अस्पताल हैं, उस अस्पताल में दूसरे समुदाय के डॉक्टर नर्सिंग स्टाफ इत्यादि सेवा के लिए नहीं जाते हैं। जिसके कारण अस्पतालों में इलाज नहीं हो रहा है।

यही हालत लगभग-लगभग स्थानीय पुलिस की है। सुप्रीम कोर्ट ने एक साल पहले एसआईटी बनाई थी। सीबीआई जांच कर रही है। मुख्यमंत्री को अभी तक नहीं हटाया गया है। मणिपुर की राज्यपाल अनसुईया उइके का विश्वास दोनों समुदाय करते हैं, लेकिन केंद्र सरकार द्वारा उन्हें शांति स्थापित करने की कोई भूमिका नहीं दी गई है। मुख्यमंत्री के ऊपर वहां की जनता का विश्वास नहीं है। इस झगड़े की जड़ सही मायने में वही हैं। रही सही कसर हिंदू संगठन व संघ के लोग पूरी कर देते हैं जो वहां उत्तेजना फैलाने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। एक वर्ग विशेष को शासन का संरक्षण प्राप्त है। केंद्र सरकार को इस मामले में कठोर कदम उठाने की आवश्यकता है। सुप्रीम कोर्ट भी आंख बंद करके नहीं बैठी रह सकती है।

वर्तमान हिंसक घटनाएँ ना केवल मणिपुर की सुरक्षा बरन देश की बाहय सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती है। राज्य का आर्थिक और सामाजिक विकास भी बाधित है। इस प्रकार की हिंसा से मणिपुर राज्य के अलावा पूर्वोत्तर राज्यों में भी अस्थिरता का माहौल बन गया है। जिससे राजनीतिक, सामाजिक, सुरक्षा, शिक्षा कानून व्यवस्था और विकास के अन्य पहलुओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। केंद्र सरकार मणिपुर की स्थिति को काबू में नहीं कर पा रही है। ऐसी स्थिति में न्याय व्यवस्था और नागरिकों के मौलिक अधिकारों के संरक्षण में सुप्रीम कोर्ट को भी अपनी जिम्मेदारी को समझना होगा। सरकार को चाहिए वह जल्द से जल्द सभी पक्षों को एक साथ बैठाकर बातचीत का रास्ता निकाले। सभी राजनीतिक दलों और सभी सामाजिक संगठनों का सहयोग लिया जाए। दोनों समुदायों के बीच संवाद स्थापित हो। मणिपुर के नागरिकों की चिंताओं को ध्यान में रखते हुए समाधान की दिशा में प्रयास किए जाएं। हिंसा फैलाने वाले तत्वों पर बिना किसी भेदभाव के कड़ी कार्रवाई की जाये। ताकि राज्य में शांति और कानून व्यवस्था का राज स्थापित हो। मणिपुर में शांति स्थापित करने के लिए सभी संबंधित पक्षों को आगे आना होगा। संवाद और सामूहिक प्रयासों से ही राज्य को हिंसा से मुक्त किया जा सकता है। सरकार और प्रशासन में आमूल-चूल परिवर्तन के बाद ही मणिपुर में शांति और सुरक्षा की स्थिति निर्मित हो सकती है। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाकर केंद्र सरकार राज्यपाल के माध्यम से मणिपुर की जनता को भरोसा दिलाए। भरोसे के बिना मणिपुर में शांति स्थापित होना संभव ही नहीं है।

पिछले सप्ताह पांच पेन्नी स्टॉक्स ने 55 फीसदी तक रिटर्न दिया

नई दिल्ली । घरेलू शेयर बाजार के लिए पिछला सप्ताह उतार चढ़ाव वाला रहा है। शुक्रवार को सेंसेक्स 900 से ज्यादा अंकों की गिरावट के बाद बंद हुआ, जबकि निफ्टी में भी 1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। पूरे हफ्ते सेंसेक्स लगभग 1.43 प्रतिशत गिरावट के साथ बंद हुआ। हालांकि इस गिरावट भरे बाजार में कुछ ऐसे पेनी स्टॉक हैं, जिन्होंने कमाल किया है। 9 पेनी स्टॉक्स ने अपने निवेशकों को 10 प्रतिशत से लेकर 55 प्रतिशत का रिटर्न दिया है, जिसका करेंट शेयर प्राइस 20 रुपये से कम है और इनका मार्केट कैप 1000 करोड़ रुपये से कम है। डायमंड ज्यूलरी बनाने वाली एक कंपनी ने पिछले हफ्ते बेहद ही शानदार प्रदर्शन किया है, इसके शेयर प्राइस में 53 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया है और यह शुक्रवार यह 10.24 रुपये के भाव पर बंद हुआ। यह कंपनी नोज़ पिन, स्टड, सॉलिटेयर, घड़ियां, बेल्ट, कफ़लिंक, और शर्ट के बटन बनाती है।

कौशल विकास मंत्रालय ने स्विगी के साथ किया समझौता

नई दिल्ली । कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) और ऑनलाइन मंच स्विगी के साथ समझौता करने की घोषणा की। इस समझौते के तहत स्विगी के खाद्य वितरण और त्वरित वाणिज्य नेटवर्क के तहत कौशल और रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए एक पहल शुरू की जाएगी। इस समझौते से स्विगी से जुड़े 2.4 लाख डिलीवरी साझेदार और रेस्तरां साझेदार के कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। इस पहल से रेस्तरां संचालन और खुदरा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं से जुड़े लोगों को रोजगार, इंटर्नशिप और प्रशिक्षण के अवसर मिलेंगे। स्विगी स्किल्स पहल के तहत इसके डिलीवरी पार्टनर मंच को स्किल इंडिया डिजिटल हब (एसआईडीएच) के साथ एकीकृत किया जाएगा, जिससे स्विगी के कर्मचारियों को ऑनलाइन कौशल विकास पाठ्यक्रम, प्रमाणन और प्रशिक्षण मॉड्यूल तक पहुंच प्रदान की जाएगी।

अमेरिका के सामने बैकफुट पर आई चीन सरकार

- अमेरिका से ट्रेड वॉर कर बुरा फंसा चाइना, बाजार पिटे तो समझौते के लिए गिड़गिड़ाया

नई दिल्ली । पिछले काफी सालों से चीन और अमेरिका के बीच ट्रेड वॉर को सभी ने देखा है। अमेरिका ने अपने कारोबार दर सुरक्षित रखने के लिए पहले चीन पर एक के बाद एक प्रतिबंध लगाए जवाब में ड्रैगन की तरफ से भी यूएस के बाजारों को बंद करने की कार्रवाई की गई। खुद को दुनिया की फैक्ट्री कहलाने वाले चीन के बाजार को इन प्रतिबंधों के चलते नुकसान उठाना पड़ रहा है। ऐसे में अब शी जिनपिंग की सरकार अमेरिका के सामने इस समय बैकफुट पर दिखाई दे रही है। जिनपिंग के मंत्री अमेरिकी समकक्ष से मुलाकात के समय यह तक कह गए कि आपको हमारे बड़े बाजारों से डरने की जरूरत नहीं है। ये आपके लिए एक मौके की तरह हैं। खबर के अनुसार चीन के कॉमर्स मंत्रालय के उप मंत्री वांग शॉवेन ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए अमेरिकी समकक्ष मारिसा लागो से चीन के तियानजिन शहर में मुलाकात की। यह बातचीन इस साल दोनों अधिकारियों के बीच दूसरी वार्ता है। चीनी नेता ने इस दौरान कहा हम आपके लिए एक अवसर है, खतरा नहीं। इससे पहले चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा था कि अमेरिका को चीनी सामान पर सभी टैरिफ हटा लेने चाहिए जो बाइडेन के प्रशासन ने चीन मे बने इलेक्ट्रिक वाहनों पर टैक्स जरूरत से ज्यादा बढ़ा दिया था। चीनी मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों के व्यापारिक समुदायों द्वारा उठाए गए नीति और व्यावसायिक मुद्दों पर पेशेवर, तर्कसंगत और व्यावहारिक बातचीत हुई। इसमें कहा गया कि चीन ने उनके देश के सामान पर अमेरिकी टैक्स सहित अन्य मुद्दों पर चिंता व्यक्त की। साथ ही कहा कि चीन अत्यधिक क्षमता के बहाने व्यापार और निवेश प्रतिबंधों का विरोध करता है।

भारत सहित विश्व के केंद्रीय बैंकों ने बढ़ाई सोने की खरीदारी

नई दिल्ली । वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की ताज़ा रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई महीने में ही केंद्रीय बैंकों ने 37 टन सोना खरीदा। पोलैंड, तुर्की, उज़्बेकिस्तान और चेक रिपब्लिक जैसे देशों ने इस खरीदारी में प्रमुख भूमिका निभाई है जबकि भारतीय रिज़र्व बैंक ने अप्रैल-जून तिमाही के दौरान 18.67 टन सोना खरीदा। पोलैंड का सेंट्रल बैंक 18.68 टन सोना खरीद कर पहले स्थान पर रहा, जबकि भारतीय रिज़र्व बैंक ने इस दौरान 18.67 टन सोना खरीदा. तुर्की ने 14.63 टन, उज़्बेकिस्तान ने 7.46 टन और चेक रिपब्लिक ने 5.91 टन सोना खरीदा। इस साल की दूसरी तिमाही में केंद्रीय बैंकों ने कुल 183 टन सोना खरीदा, जो कि 2023 की इसी अवधि के 173.6 टन से अधिक है। कुछ देश ऐसे भी हैं जिन्होंने अपने सोने के भंडार को कम किया है। कज़ाख़स्तान ने 11.83 टन, सिंगापुर ने 7.7 टन और जर्मनी ने 780 किलोग्राम सोना बेचा है। इसके बावजूद साल 2023 में केंद्रीय बैंकों द्वारा 1,037 टन सोना खरीदा गया, जबकि 2022 में यह आंकड़ा 1,082 टन था। सोना लंबे समय से देशों के एसेट रिज़र्व का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है और यह वर्तमान में भी जारी है. केंद्रीय बैंकों के लिए सोना एक स्थिर एसेट की तरह कार्य करता है, जो वित्तीय संकट के दौरान अर्थव्यवस्था को स्थिरता प्रदान करने के साथ-साथ रिज़र्व को विविधता भी देता है। बाजार के जानकार कहते हैं कि डॉलर की गिरावट और अमेरिकी ब्याज दरों में संभावित कटौती की वजह से केंद्रीय बैंक सोने की खरीदारी बढ़ा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था कर्ज़ में चल रही है और डॉलर कमजोर हो सकता है। इसलिए केंद्रीय बैंक अपने पोर्टफ़ोलियो को विविधता देने के लिए सोने की ओर बढ़ रहे हैं। वहीं इस साल सोने की कीमतों में नए रिकॉर्ड बनने की उम्मीद है।

अगले महीने लॉन्च होगी 2024 किआ कार्निवाल

नई दिल्ली ।

किआ इंडिया कंपनी अपनी नई कार्निवाल अगले महीने 3 अक्टूबर को लॉन्च करेगी। देश के कुछ चुनिंदा डीलरशिप पर इसकी बुकिंग शुरू हो गई है। कार खरीदने के लिए ग्राहक अपने नजदीकी डीलरशिप पर जाकर 1 लाख रुपये की टोकन राशि के साथ बुक कर सकते हैं। हालांकि, किआ ने अबतक कार्निवाल की आधिकारिक बुकिंग नहीं शुरू की है। 2024 किआ कार्निवाल में 12.3 इंच की टचस्क्रीन स्क्रीन, डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, रियर इंफोटेनमेंट स्क्रीन, वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और एपल कारप्ले, वायरलेस चार्जर, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, 360-डिग्री कैमरा और हेड-अप डिस्प्ले जैसे फीचर्स मिल सकते हैं। अपकमिंग एमपीवी में 2.2-लीटर, 4-सिलेंडर टर्बो-डीजल इंजन दिया जा सकता है, जो 200 बीएचपी की पावर जेनरेट कर सकता है। कंपनी इसके साथ 1.6-लीटर पेट्रोल हाइब्रिड इंजन भी शामिल कर सकती है।

बीमा कंपनी को 15 दिनों में जारी करनी होगी पॉलिसी

नई दिल्ली । इंश्योरेंस रैगुलेटर ईआरडीएआई ने बीमा पॉलिसी होल्डर्स के अधिकारों को लेकर एक मास्टर सर्कुलर जारी किया है। इस सर्कुलर में ई-इंश्योरेंस पॉलिसियों, हैल्थ लाइफ इंश्योरैंस पॉलिसियों दोनों के क्लेम सेटलमैंट की समयसीमा और कई हैल्थ बीमा पॉलिसियों वाले पॉलिसी होल्डर्स के अधिकारों को शामिल किया गया है। बीमा कंपनी को प्रपोजल फॉर्म स्वीकार करने के 15 दिनों के भीतर पॉलिसी जारी करनी होगी। नए नियमों के तहत इंश्योरैंस कंपनी को प्रपोजल फॉर्म के साथ इनीशिजल प्रीमियम जमा करने की अनुमति नहीं है। 30 दिन का फ्री लुक पीरियड एक साल या उससे अधिक की लाइफ इंश्योरैंस पॉलिसी के लिए, पॉलिसीहोल्डर के पास 30 दिनों की फ्री लुक पीरियड अवधि होगी। यदि पॉलिसीहोल्डर पॉलिसी की शर्तों या नियमों से असंतुष्ट है, तो उसके पास इन 30 दिनों के भीतर पॉलिसी को रद्द करने के लिए कंपनी को वापस करने का विकल्प है। कस्टमर इंफॉर्मेशन शीट एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है जिसे कंपनी अनिवार्य रूप से अपने ग्राहकों को उनकी बीमा पॉलिसियों के साथ प्रदान करते हैं। यह पॉलिसी की मुख्य विशेषताओं और लाभों के सारांश के रूप में काम करता है। यह सुनिश्चित करता है कि पॉलिसीधारकों को उनके कवरेज के बारे में अच्छी जानकारी है।

शीर्ष आठ कंपनियों का मार्केट कैप दो लाख करोड़ घटा

- सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज को हुआ

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट के साथ देश की शीर्ष 10 कीमती कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह संयुक्त रूप से 2,01,699.77 करोड़ रुपये की गिरावट आई। इसमें सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज को हुआ। बाजार पूंजीकरण से आशय कंपनी के शेयर के कुल मूल्य से है। इसे कुल जारी शेयर को मौजूदा बाजार भाव पर गुना कर प्राप्त किया जाता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 60,824.68 करोड़ रुपये घटकर 19,82,282.42 करोड़ रुपये, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मूल्यांकन 34,136.66 करोड़ रुपये घटकर 16,12,762.51 करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 29,495.84 करोड़ रुपये घटकर 6,98,440.13 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 28,379.54 करोड़ रुपये घटकर 8,76,207.58 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 17,061.44 करोड़ रुपये घटकर 7,89,819.06 करोड़ रुपये, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार पूंजीकरण 16,381.74 करोड़ रुपये घटकर 6,57,009.14 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 15,169.76 करोड़ रुपये घटकर 8,51,204.65 करोड़ रुपये और आईटीसी का एमकैप 250.11

करोड़ रुपये घटकर 6,27,337.65 करोड़ रुपये रहा।। हालांकि हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 14,179.78 करोड़ रुपये बढ़कर 6,66,919.73 करोड़ रुपये हो गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 3,735.35 करोड़ रुपये बढ़कर 12,47,941.78 करोड़ रुपये रहा। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान घरेलू कंपनी रही। इसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एलआईसी और आईटीसी का स्थान रहा।

तेल-तिलहन के भाव सुधरे जबकि सोयाबीन तिलहन में रही गिरावट

नई दिल्ली ।

कच्ची घानी के बड़े खाने के तेल मिलों की मांग बढ़ने तथा बरसात के कारण मंडियों में कम आवक से देश के तेल-तिलहन बाजारों में शनिवार को सरसों तेल-तिलहन की अगुवाई में मूंगफली तेल-तिलहन, सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम में सुधार दर्ज हुआ जबकि सोयाबीन तिलहन के दाम गिरावट दर्शाते बंद हुए। बाजार सूत्रों ने बताया कि बरसात के कारण सोयाबीन, मूंगफली और बिनौला आदि के फसल आने में अभी देर होगी जिसकी वजह से बाजार में कम आपूर्ति (शॉर्ट सप्लाई) की स्थिति बनी हुई है। तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहेः सरसों तिलहन 6,310-6,350 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,700-6,975 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 15,850 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,385-2,685 रुपये प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 12,525 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 2,010-2,110 रुपये प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी 2,010-2,125 रुपये प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 10,625 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 0,225 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला 8,850 रुपये प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला 9,425

रुपये प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 10,450 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली 10,650 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स कांडला- 9,850 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 4,740-4,770 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज 4,540-4,675 रुपये प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का) 4,200 रुपये प्रति क्विंटल।

फूलेगा चीन का दम! सेमीकंडक्टर हब बनने की ओर भारत

मुंबई । महाराष्ट्र मंत्रिमंडल की एक समिति ने 10 अरब (83,947 करोड़) के बड़े निवेश प्रस्ताव को हरी झड़ी दे दी है। यह परियोजना टावर सेमीकंडक्टर और अडानी ग्रुप के बीच साझेदारी में संचालित होगी। दोनों कंपनियां मिलकर एक जॉइंट वेंचर बनाएंगी जो महाराष्ट्र के पनवेल में एक सेमीकंडक्टर चिप निर्माण फैक्ट्री की स्थापना करेगी। यह सेमीकंडक्टर निर्माण यूनिट नवी मुंबई के रायगढ़ जिले में होगी। पहले चरण में इसकी क्षमता 40,000 वेफर स्टार्ट्स प्रति माह (डब्ल्यूएसपीएम) होगी, और परियोजना के पूरा होने पर कुल क्षमता 80,000 डब्ल्यूएसपीएम तक पहुंचने की उम्मीद है। दरअसल मोदी सरकार ने राज्यों को अपने सेमीकंडक्टर यूनिट स्थापित करने की स्वतंत्रता दी है, लेकिन केंद्र सरकार की योजना के तहत प्रोत्साहन की उम्मीद रखने वाले सभी आवेदकों को आईएसएम से अनुमति प्राप्त करनी होती है। यदि इस परियोजना को मंजूरी मिलती है, तब यह भारत की दूसरी चिप मैन्युफैक्चरिंग सुविधा और भारत का छठा सेमीकंडक्टर संयंत्र होगा जो चिप्स का उत्पादन या परीक्षण और पैकेजिंग करता है। इस सप्ताह की शुरुआत में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कर्नाटक के मैसूर में स्थित कंपनी केंस सेमीकंडक्टर द्वारा प्रस्तुत एक प्रस्ताव को मंजूरी दी, जिसमें 3,307 करोड़ की लागत से एक आउटसोर्स्ड असेंबली और टेस्टिंग यूनिट स्थापित की जाएगी। यह यूनिट गुजरात के साणंद में स्थापित होगी और इसकी कुल क्षमता 6.3 मिलियन चिप्स प्रति दिन होगी।

मुद्रस्फीति आंकड़े और वैश्विक रुख तय करेंगे बाजार की चाल

ब्रेंट क्रूड की गतिविधियों और रुपये-डॉलर के रुख पर भी होगी बाजार की नजर

मुंबई ।

वैश्विक बाजार की गिरावट के दबाव में स्थानीय स्तर पर हुई मुनाफावसूली से बीते सप्ताह करीब डेढ़ प्रतिशत तक लुढ़के घरेलू शेयर बाजार की चाल इस सप्ताह मुद्रास्फीति जैसे वृहत आर्थिक आंकड़ें, वैश्विक रुझान और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों से तय होंगी। बाजार के विश्लेषकों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में पिछले कुछ दिनों में सुधार देखा गया है और ब्रेंट क्रूड अब 73 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के करीब है। भारत में निवेशक इस सप्ताह उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति सहित अन्य वृहत आर्थिक आंकड़े जारी होने का इंतजार करेंगे। वैश्विक स्तर पर, निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर में कटौती को लेकर आशावादी बने हुए हैं। उनकी नजर इस महीने होने वाली अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक पर होगी। वृहत आर्थिक आंकड़ों के तहत जुलाई के लिए औद्योगिक उत्पादन और अगस्त के लिए मुद्रास्फीति आंकड़ों की घोषणा गुरुवार को की जाएगी। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 1,181.84 अंक टूटा जबकि एनएसई निफ्टी में 383.75 अंक की गिरावट आई। स्थानीय शेयर बाजारों में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट रही और 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,017.23 अंक टूटकर 81,183.93 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 292.95 अंक टूटकर 24,852.15 पर रहा।

बाजार के जानकारों ने कहा कि हमारा अनुमान है कि निकट भविष्य में बाजार में कारोबार सीमित दायरे में रहेगा। निवेशकों की नजर वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड की गतिविधियों और रुपये-डॉलर के रुख पर भी होगी। आने वाले सप्ताह में अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर भी निवेशकों की नजर होगी।

कमाई के मामले में मार्क जकरबर्ग ने अंबानी और अडानी को भी पीछे छोड़ा

मार्क जकरबर्ग ने इस साल करीब 50 अरब डॉलर कमाए

नई दिल्ली ।

इस साल मेटा के सीईओ मार्क जकरबर्ग ने कमाई के मामले में दुनिया के सबसे अमीर लोगों को भी पीछे छोड़ दिया है। यही नहीं, इस साल मुकेश अंबानी और गौतम अडानी ने मिलाकर भी मार्क के बराबर कमाई नहीं की है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के मुताबिक मार्क ने इस साल करीब 50 अरब डॉलर (करीब 4.20 लाख करोड़ रुपये) की कमाई की है। वहीं इस साल सबसे ज्यादा कमाई के मामले में दूसरा नंबर एनविडिया कंपनी के प्रेसिडेंट जेसन हुआंग का है। जेसन ने इस साल 46.4 अरब डॉलर की कमाई की। मार्क दुनिया के चौथे सबसे अमीर इंसान हैं। इस साल मार्क ने जितनी कमाई की है, उतनी कमाई अंबानी और अडानी ने मिलकर भी नहीं की। अंबानी ने इस साल 14.2 अरब डॉलर की कमाई की। वहीं अडानी की इस साल की कमाई 15.3 अरब डॉलर रही। दोनों ने इस साल कुल 29.5 अरब डॉलर की कमाई की। यह मार्क की इस साल की कमाई से करीब 20 अरब डॉलर कम है। टेस्ला के मालिक एलन मस्क दुनिया के सबसे अमीर इंसान हैं। वहीं अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस दुनिया के दूसरे सबसे अमीर शख्स हैं। इस साल एलन ने 7.73 अरब डॉलर और जेफ ने 17.9 अरब डॉलर की कमाई की। दोनों की कुल कमाई 25.63 अरब डॉलर रही। यह इस साल मार्क की कमाई (50 अरब डॉलर) से काफी कम है। पिछले 24 घंटे में दुनिया के अमीरों की संपत्ति में जबरदस्त गिरावट आई है। मुकेश अंबानी की संपत्ति में 2.14 अरब डॉलर और अडानी की संपत्ति में 1.57 अरब डॉलर की कमी आई है। यह कमी शेयर बाजार में गिरावट के कारण आई। शुक्रवार को शेयर बाजार में एक हजार से ज्यादा अंकों की गिरावट आई थी।

आईआईटी बॉम्बे को अनुसंधान एवं विकास के लिए मिला 700 करोड़ का फंड

2022-23 में संस्थान को 576 करोड़ और 2021-22 में 502 करोड़ रुपये मिले थे

नई दिल्ली । भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे ने 2023-24 में अनुसंधान और विकास के लिए वार्षिक अनुदान के रूप में रिकॉर्ड 700 करोड़ रुपये प्राप्त किए हैं। पिछले तीन वर्षों की तुलना में यह सबसे ज्यादा है। 2022-23 में संस्थान को 576 करोड़ रुपये और 2021-22 में 502 करोड़ रुपये मिले थे। आरएंडडी फंड सरकारी और गैर-सरकारी एजेंसियों से प्राप्त राशि का संयोजन है। निजी एजेंसियों से प्राप्त धन अनुदान राशि का 35 प्रतिशत होता है, जबकि शेष सरकारी एजेंसियों द्वारा दिया जाता है। संस्थान ने कहा कि आईआईटी बॉम्बे ने अपने अनुसंधान एवं विकास को तकनीकी आत्मनिर्भरता हासिल करने के राष्ट्रीय लक्ष्य के साथ जोड़ने के लिए ठोस प्रयास किए हैं। संस्थान ने विभिन्न शैक्षणिक इकाइयों के शोधकर्ताओं को शामिल करते हुए जटिल समस्याओं को समग्र तरीके से हल करने के लिए कई बड़े बहु-विषयक अनुसंधान केंद्र स्थापित किए हैं। इसमें कहा गया कि छात्र और संकाय सदस्य विज्ञान, इंजीनियरिंग, डिजाइन, प्रबंधन और मानविकी के सभी क्षेत्रों में अनुसंधान परियोजनाएं संचालित करते हैं। संस्थान ने बताया कि विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रबंधन, डिजाइन और सामाजिक विज्ञान के सभी क्षेत्रों में हर साल नई अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं शुरू की जाती हैं, जिनमें अल्पकालिक परामर्श और दीर्घकालिक प्रायोजित अनुसंधान दोनों शामिल हैं। परियोजनाओं की अवधि आम तौर पर 2-5 साल तक होती है। आईआईटी बॉम्बे इस अनुदान का उपयोग तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा महाराष्ट्र ड्रोन मिशन जैसी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए करेगा। स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने और ड्रोन प्रौद्योगिकी में महाराष्ट्र को वर्ल्ड लीडर के रूप में स्थापित करने के लिए विभाग ने 151.8 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ एक परियोजना को वित्त पोषित किया। संस्थान वस्त्र मंत्रालय के लिए एक परियोजना वस्त्र-आधारित कंपोजिट का उपयोग करके हाइड्रोजन प्रेशर वेसल निर्माण का विकास करने के लिए भी काम कर रही है। आईआईटी-बॉम्बे ने विश्व स्तरीय संस्थानों में अपना नाम दर्ज करा लिया है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 में यह दुनिया के शीर्ष 150 विश्वविद्यालयों में शामिल है। हाल ही में जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल फ्रेमवर्क रैंकिंग में भी आईआईटी-बॉम्बे शीर्ष तीन में शामिल है।

बायूज ऑडिटर ने पिछली तारीखों में रिपोर्ट करने को कहा, हम सहमत नहीं थेः सीईओ

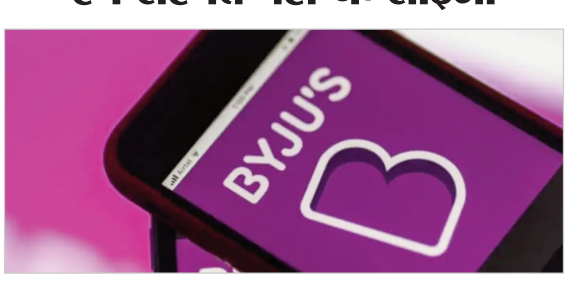

नई दिल्ली ।

शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी बायजू के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बायजू रवींद्रन ने आरोप लगाया कि कंपनी की ऑडिट कंपनी बीडीओ ने रिपोर्ट को पिछली तारीख से प्रकाशित करने का सुझाव दिया था, जिसे कंपनी ने स्वीकार करने से मना कर दिया और उनका इस्तीफा दिखावटी है। ऑडिट फर्म के रूप में बीडीओ के इस्तीफे पर रवींद्रन ने बताया कि ऑडिटर दिवाला कार्यवाही के बारे में सबसे पहले जानते हैं, लेकिन उन्होंने इसके बारे में अदालत द्वारा नियुक्त दिवाला समाधान पेशेवर (आईआरपी) को सूचित नहीं किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने हमें कई बार पिछली तारीखों में रिपोर्ट करने के लिए कहा है। यह सब हाल ही में हुआ है। हम सहमत नहीं थे। हमारे पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। एमएसकेए एंड एसोसिएट्स ने बीडीओ इंडिया से सम्बद्ध बायजू के ऑडिट का काम संभाला था। एमएसकेए ने फर्म के ऑडिटर के पद से इस्तीफा दे दिया है। रवींद्रन ने कहा कि ऑडिटरों ने पश्चिम एशिया स्थित साझेदार के साथ लेन-देन के फोरेंसिक ऑडिट के लिए कहा था, जिसे जून में मंजूरी दे दी गई थी, लेकिन ऑडिटरों ने इस पर कोई काम नहीं किया। रवींद्रन ने कहा कि यह बच निकलना है, निराधार है और उन्होंने ऐसा उस समय किया जब हम बोर्ड में नहीं थे। हम अभी भी बोर्ड में नहीं हैं।

उन्हें बोर्ड को सूचित करना चाहिए था। पिछले 45 दिनों में उन्होंने बोर्ड को कुछ भी नहीं बताया है। यह न केवल निराधार है, बल्कि उन्होंने जो कुछ भी किया है वह कानूनी रूप से भी अस्वीकार्य है। एमएसकेए एंड एसोसिएट्स और बीडीओ इंडिया को वेबसाइट के माध्यम से भेजे गए सवालों के जवाब इस खबर के लिखे जाने तक नहीं मिले थे।

भारतीय क्रिकेट बेहद शक्तिशाली है क्योंकि हर जगह से आ रही है प्रतिभाः राहुल द्रविड

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु । महान खिलाड़ी राहुल द्रविड़ ने कहा कि बढ़ते प्रतिभा पूल की बदौलत भारतीय क्रिकेट एक 'बेहद शक्तिशाली' ताकत के रूप में विकसित हुआ है और यह अब देश के सुदूर कोने तक भी फैल गया है। टी20 विश्व कप में भारत की जीत के सूत्रधार रहे द्रविड़ ने कहा कि एक मजबूत क्लब क्रिकेट संस्कृति का राष्ट्रीय टीम में शहर के क्रिकेटरों के दबदबे की पुरानी प्रवृत्ति को खत्म करने में काफी योगदान है। माउंट जॉय क्लब के 50वें वर्ष के जश्न के दौरान भारत के पूर्व कोच ने कहा, ''अगर आप आज भारतीय क्रिकेट को देखें, तो भारतीय क्रिकेट बेहद मजबूत है, यह बेहद शक्तिशाली है। इसका एक बड़ा कारण यह है कि प्रतिभाएं हर जगह से, देश के हर कोने से आती है।''

उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि अगर आप जीआर विश्वनाथ के समय में जाएं या जब मैं अपना करियर शुरू कर रहा था, तब भी ज्यादातर प्रतिभाएं बड़े शहरों या कुछ चुनिंदा राज्यों से आती थीं।'' उन्होंने कहा, '' छोटी जगहों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी क्रिकेट खेलने के लिए बड़े शहरों में आना पड़ता था। मेरा मानना है कि मौजूदा दौर में आप देख रहे हैं कि भारतीय क्रिकेट में हर जगह से खिलाड़ी आ रहे हैं।''

द्रविड़ में भारतीय क्रिकेट के बढ़े हुए स्तर का उदाहरण घरेलू क्रिकेट से दिया। उन्होंने कहा, ''आप अब रणजी ट्रॉफी के स्तर को देखिये , आप किसी भी टीम को हलके में नहीं ले सकते है।'' उन्होंने कहा, '' मैं किसी का अनादर नहीं कर रहा हूं लेकिन जब मैंने खेलना शुरू किया था तब दक्षिण क्षेत्र में तमिलनाडु और हैदराबाद को छोड़कर हम अन्य टीमों के प्रति थोड़े आश्वस्त होकर खेलते थे लेकिन अब आप ऐसा नहीं कर सकते है। हर टीम मजबूत है।

रणधीर सिंह ओसीए अध्यक्ष चुने जाने वाले पहले भारतीय बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी खेल प्रशासक रणधीर सिंह एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) के अध्यक्ष चुने जाने वाले पहले भारतीय बन गये। उन्हें रविवार को यहां इस महाद्वीपीय संस्था की 44वीं आम सभा के दौरान यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। पांच बार के ओलंपिक निशानेबाज रणधीर ओसीए अध्यक्ष पद के लिए एकमात्र योग्य उम्मीदवार थे।

उनका कार्यकाल 2024 से 2028 तक रहेगा।उनका चयन सर्वसम्मति से किया गया। यह 77 वर्षीय कुशल प्रशासक 2021 से ओसीए के कार्यवाहक अध्यक्ष थे। उन्होंने कुवैत के शेख अहमद अल-फहद अल-सबा की जगह ली है, जिन पर नैतिकता के उल्लंघन के कारण इस साल मई में खेल प्रशासन से 15 साल का प्रतिबंध लगा दिया गया था।

भारतीय और एशियाई खेल संस्थाओं में विभिन्न प्रशासनिक पदों पर रहे रणधीर को खेल मंत्री मनसुख मांडविया और एशिया के सभी 45 देशों के शीर्ष खेल प्रशासकों की उपस्थिति में आधिकारिक तौर पर ओसीए अध्यक्ष चुना गया। रणधीर पंजाब के पटियाला के रहने वाले हैं और उनका परिवार शुरू से खेलों से जुड़ा रहा है। उनके चाचा महाराजा यादवेंद्र सिंह भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलते थे और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के सदस्य थे।

उनके पिता भलिंदर सिंह भी प्रथम श्रेणी क्रिकेटर थे। वह 1947 और 1992 के बीच आईओसी सदस्य रहे थे। रणधीर भी 2001 से 2014 तक आईओसी के सदस्य रहे थे। इसके बाद वह मानद सदस्य के रूप में आईओसी से जुड़े रहे।

ईरान का जैवलिन थ्रोअर अयोग्य घोषित, गोल्ड में बदला नवदीप सिंह का सिल्वर मेडल

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस पैरालंपिक में शनिवार को पुरुषों की भाला फेंक एफ41 फाइनल में नाटकीय प्रदर्शन के बीच ईरान के बेत सयाह सादेघ को अयोग्य घोषित किए जाने के बाद भारत के नवदीप सिंह के रजत पदक को स्वर्ण में बदल दिया गया। यह पुरुषों की भाला एफ41 श्रेणी में भारत का पहला स्वर्ण पदक है। नवदीप का पहला प्रयास फाउल रहा लेकिन उन्होंने दूसरे प्रयास में 46.39 मीटर के थ्रो के साथ शानदार वापसी की।

तीन साल पहले टोक्यो पैरालंपिक में चौथे स्थान पर रहने वाले नवदीप के तीसरे थ्रो ने स्टेडियम को रोमांचित कर दिया। उन्होंने 47.32 मीटर के विशाल थ्रो के साथ पैरालंपिक रिकॉर्ड को तोड़ दिया और बढ़त बना ली। सादेघ ने हालांकि अपने पांचवें प्रयास में भारतीय खिलाड़ी से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 47.64 मीटर का रिकॉर्ड थ्रो किया। फाइनल की समाप्ति के कुछ समय बाद ईरान के खिलाड़ी को अयोग्य घोषित कर दिया गया, जिसके कारण नवदीप ने शीर्ष स्थान हासिल किया।

सयाह को बार-बार आपत्तिजनक झंडा प्रदर्शित करने के लिए अयोग्य घोषित किया गया। वह अपनी हरकतों से स्वर्ण पदक गवां बैठे। अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति के नियम एथलीटों को आयोजन में कोई भी राजनीतिक संकेत देने से रोकते हैं और सयाह को गैर-खेल/अनुचित आचरण के लिए अंतिम परिणामों से बाहर कर दिया गया था। इस स्पर्धा का रजत विश्व रिकॉर्ड धारक चीन के सन पेंगजियांग (44.72) के नाम रहा जबकि इराक के नुखाइलावी वाइल्डन (40.46) ने कांस्य पदक जीता। एफ41 श्रेणी छोटे कद के एथलीटों के लिए है। नवदीप ने इस स्वर्ण पदक के साथ तोक्यो खेलों में चौथे स्थान पर रहने की कसक को दूर की। आयकर विभाग में निरीक्षक के पद पर तैनात नवदीप ने 2017 में खेल में आने के बाद से राष्ट्रीय स्तर पर पांच बार पदक जीते हैं। उन्होंने इस साल की शुरुआत में पैरा-विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था।

इंडिया 'बी' के सामने पस्त हुई इंडिया 'ए' की टीम, ऋषभ पंत ने इंडिया ए के हडल में 'घुसपैठ' कर जान लिया पूरा प्लान

बेंगलुरु (एजेंसी)। दलीप ट्रॉफी 2024 में इंडिया ए और इंडिया बी के बीच मुकाबला खेला गया। जिसे इंडिया बी ने जीत लिया। वहीं विकेटकीपर और बल्लेबाज ऋषभ पंत एक बार फिर चर्चाओं में हैं। पंत अक्सर मैदान पर अपनी बल्लेबाजी और मजाकिया अंदाज के लिए जाने जाते हैं। उनका सेंस ऑफ ह्यूमर भी कमाल का है। वह कई बार ऐसी फनी हरकते करते दिखे जिससे विरोधी टीम के खिलाड़ी भी खुद को हंसने से नहीं रोक पाए।

दरअसल, टूर्नामेंट में इंडिया बी का हिस्सा पंत ने मजाकिया अंदाज में इंडिया ए टीम के हडल के दौरान घुसबैठ कर दी। जिसके बाद उन्होंने चुपके से इंडिया ए का पूरा प्लान जान लिया। पंत का ये वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। जिसे देखकर आप भी खुद को मुस्कुरान से नहीं रोक पाएंगे।

पंत ने इंडिया ए वर्सेस इंडिया बी मुकाबले के चौथे दिन यानी रविवार को सुबह के समय हडल में घुसपैठ की। इंडिया एक के कप्तान शुभमन गिल मैदान पर उतरने से पहले खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर रहे थे। तभी पंत ने चोरी छिपे से इंडिया ए के हडल में सेंधमारी की और उनका प्लान जान लिया। कुछ देर बाद उन्होंने शुभमन की बातें सुनी और फिर तेज गेंदबाज आवेश खान के साथ मस्ती करने लगे। उसके बाद पंत हंसते हुए वहां से चले गए।

वहीं कमेंटेटर ने ऑन एयर कहा कि, आज सुबह इंडिया ए की टीम हडल में नीली टी-शर्ट पहने ये शख्स कौन है। ये इंडिया बी के ऋषभ पंत हैं। उन्हें प्लान पता चल गया है। पंत के वीडियो पर क्रिकेट फैंस जमकर ठहाके लगा रहे हैं।

फिलहाल मैच की बात करें तो, दूसरी पारी में पंत ने बेहतरीन बल्लेबाजी की। उन्होंने 47 गेंदों में 61 रन की पारी खेली, जिसमें 9 चौके और 2 छक्के शामिल हैं। वह पहली पारी में सात रन बनाकर आउट हो गए थे। इंडिया बी ने बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में इंडिया ए को 76 रन से हरा दिया।

पैरा खिलाड़ियों ने एक बार फिर अपने को साबित किया

पेरिस । पेरिस पैरालंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने टोक्यो पैरालंपिक से भी अधिक पदक जीतकर एक बार फिर अपने को साबित कर दिया है । टोक्यो में जहां 19 पदक मिले थे । वहीं पेरिस में 25 से ज्यादा पदक मिले हैं । पैरालंपिक खिलाड़ियों ने 6 स्वर्ण जीत लिए हैं । पेरिस ओलंपिक में भारत को एक भी स्वर्ण पदक के अलावा कुल 7 पदक से ज्यादा नहीं मिले हैं । 7 पदक टोक्यो ओलंपिक में मिले थे । दूसरी ओर पैरा खिलाड़ियों ने पदकों की जबरदस्त छलांग लगायी हैं । पैरालंपिक में शामिल खिलाड़ियों की संख्या भी ओलंपिक से काफी कम है । रियो में भारत के 19 पैरा खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और 2 स्वर्ण सहित पदक सहित 4 पदक जीते । इसके बाद टोक्यो पैरालंपि?क में भारत के 54 पैरा एथलीट्स उतरे और इसमें भारत ने 5 स्वर्ण सहित 19 पदक जीते । वहीं पेरिस पैरालंपिक में एथलीट्स की संख्या बढ़कर 84 हुई तो पदक भी बढ़े हैं । पेरिस में जहां भारत ने 12 खेलों में हिस्सा लिया । वहीं टोक्यो में भारतीय खिलाड़ी 9 खेलों में ही उतरे थे । भारत ने पेरिस में तीन नए खेलों पैरा-साइक्लिंग, पैरा-रोइंग और ब्लाइंड जूडो में भी भाग लिया और पदक जीते । वहीं इस बार महिला एथलीटों ने पुरुषों से अधिक अच्छा प्रदर्शन किया ।

संन्यास के बाद कोच बनेंगे स्टोक्स

लंदन । इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने कहा है कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद ब्रेंडन मैकुलम की तरह ही कोच बन सकते हैं । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के वर्तमान मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने भी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद ही कोचिंग का काम शुरु किया था । मैकुलम न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर हैं । अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के करीब 6 साल बाद मैकुलम को टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड का मुख्य कोच नियुक्त किया गया हालांकि इससे पहले वह कई जगह कोच रहे हैं । स्टोक्स और मैकुलम दोनों के बीच काफी अच्छी बांडिंग हैं । दोनों ही मिलकर इंग्लैंड की टेस्ट टीम में बैजबॉल के नाम से लोकप्रिय हुई आक्रामण रणनीति लाये हैं । इसी को देखते हुए माना जा रहा है कि अब स्टोक्स संन्यास के बाद मैकुलम की ही राह पर चलेंगे । स्टोक्स ने कोच बनने की अपनी भविष्य की योजनाओं के बारे में भी बताया । उन्होंने कहा कि खेल के प्रति उनका प्यार उन्हें संन्यास के बाद भी क्रिकेट के मैदान को नहीं छोड़ने के लिए मजबूर करेगा । इसी कारण वह कोच के तौर पर खेल से जुड़े रहेंगे । स्टोक्स ने कहा कि मैं ऐसे लोगों में नहीं हूं जो खेलना छोड़ देने के बाद क्रिकेट से जुड़े न रहें । मैं खुद को कोच बनने की राह पर आगे बढ़ते हुए देखता हूं । मुझे लगता है कि ये खेल के प्रति मेरे प्यार के कारण है । जब मैं खेलना छोड़ दूंगा तो मैं कुछ लोगों के करियर को प्रभावित करने की कोशिश करना चाहूंगा । स्टोक्स ने एकदिवसीय प्रारुप से संन्यास ले लिया था पर एकदिवसीय विश्वकप 2023 से ठीक पहले उन्होंने खेल में वापसी कर ली थी ।

मुशीर के भविष्य में बेहतर क्रिकेटर बनकर उभरने की संभावना : दहिया

बेंगलुरु । भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज विजय दहिया ने दिलीप ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन करने वाले युवा क्रिकेटर मुशीर खान की प्रशंसा की है। दहिया ने कहा कि मुशीर भविष्य में एक बेहतर क्रिकेटर बन सकता है क्योंकि वह मजबूत मानसिकता वाला खिलाड़ी है। ऐसे में अगर वह निरंतरता बनाए रखता है तो भविष्य में भारतीय टीम में जगह का दावेदार बन जाएगा । मुशीर ने बेंगलुरु में चल रहे दलीप ट्रॉफी में भारत बी की ओर से शानदार शतक लगाया है । मुशीर की इस पारी से उनकी टीम भारत ए के खिलाफ बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही । जब मुशीर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे तो टीम ने 100 रनों के अंदर ही सात विकेट खो दिये थे पर मशीर ने दबाव के बीच भी रन बनाते हुए टीम का 300 रनों से ऊपर पहुंचा दिया। मुशीर की इसी बल्लेबाजी से प्रभावित दाहिया ने कहा, 'मुशीर को उनकी मानसिकता सबसे अलग बनाती है क्योंकि वह इसमें मजबूत दिखता है । मेरा माना है कि वह इसी प्रकार लगातार रन बनाता रहा तो वह भारतीय टीम के लिए बहुत अच्छा विकल्प हो सकता है । मुशीर की निरंतरता से भी दहिया प्रभावित हैं । उन्होंने कहा, 'उनकी बल्लेबाजी की सबसे खास बात रन बनाने में निरंतरता है। उसने रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल और फाइनल में रन बनाए और फिर में घरेलू क्रिकेट के पहले दिन ही शतक लगा दिया । दहिया ने कहा, 'मुशीर ने बाएं हाथ के स्पिनर के तौर पर शुरूआत करते हुए बल्लेबाजी में भी अपनी जगह बना ली है । इससे पता चलता है कि अगर मेहनत से कोई चीज की जाये तो सफलता अवश्य मिलती है ।

भारत 2030 युवा ओलंपिक के लिए दावेदारी पेश करेगा: खेल मंत्री

नयी दिल्ली (एजेंसी)। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि भारत 2030 में होने वाले युवा ओलंपिक के लिए बोली लगाने के लिए तैयार है, जो 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी हासिल करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। वर्ष 2030 में पांचवें युवा ओलंपिक खेलों का आयोजन किया जाएगा। मांडविया ने यहां एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) की 44वीं महासभा के अवसर पर कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम 2030 में होने वाले युवा ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए बोली लगाने जा रहे हैं, लेकिन हमारा ध्यान 2036 ओलंपिक की मेजबानी पर है।''

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, ''मोदीजी के नेतृत्व में हमने क्रिकेट विश्व कप, फुटबॉल अंडर-17 विश्व कप सहित कई अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया।'' युवा ओलंपिक 2023 की मेजबानी हासिल करने के लिए भारत के अलावा पेरू, कोलंबिया, मैक्सिको, थाईलैंड, मंगोलिया, रूस, यूक्रेन, बोस्निया और हर्जेगोविना भी दौड़ में शामिल हैं।

कृति की मेहनत रंग लाई, यूपी अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम में जगह मिली

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद की 17 साल की कृति यादव को यूपी अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम में जगह मिली है । कृति का यहां तक का सफल आसान नहीं रहा । उसे हर दिन 5 किलो मीटर जाकर अभ्यास करना पड़ता है जिसका फल अब उसके मिला है । कृति को बचपन से ही क्रिकेट का शौक था । उसका जुनून देखकर उनके पिता ने उन्हें तीन साल पहले फिरोजाबाद क्रिकेट एकेडमी में दाखिला दिलाया । इसके बाद से ही कृति का क्रिकेटर बनने का सफर शुरु हुआ । कृति ने कहा कि वह रोज़ सुबह पांच बजे साइकिल से 5 किलोमीटर दूर जाकर प्रैक्टिस करती थीं । कठिन प्रयासों के बाद ही उसे अंडर-19 टीम में जगह मिली है । कृति ने कहा कि यह एक बड़ा मौका है और अब वह कानपुर में यूपी अंडर-19 टीम के साथ खेलेगी । वहीं कृति के कोच मिथुन उपाध्याय ने बताया कि जब कृति तीन साल पहले एकेडमी में दाखिला लेने आई थीं, तभी से उनमें एक अलग ही प्रतिभा नज़र आई थी । वह नियमित रूप से सुबह जल्दी आकर कड़ी मेहनत करती थीं । दाहिने हाथ की बल्लेबाज के रूप में उन्होंने खुद को निखारा है । कोच ने कहा कि यह शहर के लिए गर्व की बात है कि यहां की एक लड़की यूपी की अंडर-19 टीम में चयनित हुई है । उसका सपना अब अंडर-19 टीम में बेहतर प्रदर्शन कर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाना है ।

घरेलू हालातों के कारण स्पिनरों के लिए टीम में जगह बनाना होता है मुश्किलः एजाज

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के स्पिनर एजाज पटेल इंग्लैंड के जिम लेकर और भारत के अनिल कुंबले के बाद एक ही पारी में 10 विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज हैं। इसके बाद भी एजाज अब तक 16 टेस्ट ही खेल पाये हैं। इसमें उन्होंने 5 के औसत से 62 विकेट लिए हैं। इसी को लेकर इस स्पिनर का दर्द फूट पड़ा। एजाज ने कहा कि एक पारी में दस विकेट लेने के बाद भी उसे खेलने का काफी कम अवसर मिला है। एजान ने अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से पहले कहा कि न्यूजीलैंड के घरेलू हालात तेज गति के अनुकूल होने के कारण स्पिनरों को मुश्किल से अवसर मिल पाता है। इसके बाद भी स्पिनर जब भी अवसर मिलते हैं सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करते हैं।

अजाज ने कहा कि, मुझे लगता है कि यदि आप न्यूजीलैंड के सभी स्पिनरों से पूछें, तो वे भी कहेंगे कि घरेलू परिस्थितियों के कारण घर पर कई अवसर प्राप्त करना मुश्किल होता है पर मुझे यह भी लगता है कि जब आप इस तरह की घरेलू परिस्थितियों में आते हैं तो बेहतर प्रदर्शन की अधिक चाहत होती है। आप हालातों को जानते हैं यह स्पिन के अनुकूल है। आप वहां जाने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार होते हैं। यह वास्तव में खेल में जाने और हालातों का आनंद लेने के बारे में है।

एजाज ने कहा कि एक पेशेवर माहौल में खिलाड़ियों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे बाहर जाएं और अपने खेल में सुधार करते रहें और आगे बढ़ते रहें। मुझे लगता है कि 10 विकेट के बाद हां, आप निश्चित रूप से थोड़ा निराश हैं क्योंकि आपको अधिक अवसर नहीं मिलते हैं, लेकिन साथ ही, एक खिलाड़ी के रूप में, यह अभी भी आपके खेल को बढ़ाने के बारे में है। मैंने 10 विकेट लेने के बाद अपना रन अप थोड़ा बदला है। यह हमेशा सुधार करने के बारे में है और यह हमेशा यह सुनिश्चित करने के बारे में है कि अगला अवसर आने पर आप तैयार हैं। न्यूजीलैंड के लिए खेलना हमेशा सौभाग्य की बात है और निश्चित रूप से अपने देश के लिए खेलना कभी नहीं आसान है और उन अवसरों को प्राप्त करना हमेशा काफी खास होता है।

पीसीबी पर भडके पाक के पूर्व क्रिकेटर यासिर अराफात

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शर्मनाक हार के बाद आजकल क्रिकेट टीम और पाक बोर्ड (पीसीबी) को जमकर कोस रहे हैं । इन क्रिकेटरों का मानना है कि खिलाड़ियों के अलावा बोर्ड भी टीम की खराब हालत के लिए जिम्मेदार है । इन दिगग्जों का माना है कि पीसीबी इसके बाद भी सबक लेने को तैयार नहीं है । इसी को लेकर पूर्व क्रिकेटर यासिर अराफात ने पीसीबी को एक सर्कस करार दिया है । यासिर के अनुसार पीसीबी किसी सर्कस की तरह है जिसमें जोकर भरे हुए हैं । यासिर ने ये बात इसलिए कही है क्योंकि पाक टीम को 7 अक्टूबर से इंग्लैंड की तीन टेस्ट के लिए मेजबानी करनी है पर बोर्ड ने अभ्यास क लिए फर्स्ट क्लास क्रिकेट की जगह पर एक वनडे टूर्नामेंट का आयोजन किया है । यासिर ने कहा, अब भी आप देख लें, आपकी यह सीरीज खत्म हो रही है। इतने कमजोर क्षेत्र सामने आये हैं फिर भी गंभीरता नहीं है । टीम में फिटनेस के साथ ही तकनीक को लेकर भी परेशानी है । इसके अलावा पिच और मैदान को लेकर भी कुछ समस्याएं हैं । इसके बाद भी कोच जेसन गिलेस्पी वापस ऑस्ट्रेलिया जा रहे हैं और उसके बाद एकदिवसीय टूर्नामेंट कराया जा रहा है । मुझे इस तरह के फैसलों को देखकर पीसीबी एक सर्कस की तरह नजर आता है । जिसमें जोकर्स जोक होते हैं , वे ही टेस्ट सीरीज से पहले टीम को एकदिवसीय टूर्नामेंट खिला सकते हैं । उन्होंने साथ ही कहा, टीम के कप्तान शान मसूद कहते हैं कि प्लेयर्स ने डेढ साल से टेस्ट या फर्स्ट क्लास मैच नहीं खेला । वहीं आज ऐसे हालातों में इंग्लैंड जैसी बड़ी टीम के खिलाफ खेलने जा रहे हैं ।

25 बरस के हुए शुभमन गिल, वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले दुनिया के सबसे युवा बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल 8 सितंबर को अपना 25वां जन्मदिन मना रहे हैं। काफी कम समय में शुभमन गिल ने भारतीय क्रिकेट में खुद को स्थापित किया है और वो क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में टीम इंडिया के रेगुलर खिलाड़ी बन चुके हैं। गिल इस समय भारतीय टी20 और वनडे टीम के उपकप्तान भी हैं और उन्हें टीम इंडिया के भविष्य के कप्तान के रूप में भी देखा जा रहा है। शुभमन गिल ने आईपीएल 2024 में गुजरात टाइटंस की कप्तानी भी की थी।

बता दें कि, शुभमन गिल ने अपने क्रिकेट करियर में कुछ रोचक रिकॉर्ड्स अपने नाम दर्ज किए हैं। वो इस समय वर्ल्ड क्रिकेट में वनडे प्रारूप में दोहरा शतक लगाने वाले दुनिया के सबसे युवा बल्लेबाज हैं और उन्होंने पिछले साल यानी साल 2023 में अपने साथी खिलाड़ी इशान किशन का रिकॉर्ड तोड़ा था। गिल ने 19 जनवरी 2023 में अपने साथी खिलाड़ी इशान किशन का रिकॉर्ड तोड़ा था।

गिल ने 18 जनवरी 2023 को न्यूजीलैंड के खिलाफ इशान किशन का रिकॉर्ड तोड़ा था। गिल ने 18 जनवरी 2023 को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने वनडे करियर का दोहरा शतक लगाया था और 208 रन की पारी खेली थी। उन्होंने ये कमाल 23 साल 132 दिन की उम्र में किया था और इशान किशन का रिकॉर्ड तोड़ा था। इशान किशन ने वनडे में पहला दोहरा शतक 24 साल 145 दिन की उम्र में लगाया था।

वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले युवा खिलाड़ी

23 वर्ष 132 दिन में शुभमन गिल ने 208 रन 149 गेंदों में बनाए

24 वर्ष 145 दिन में इशान किशन ने 210 रन 131 गेंदों में बनाए

25 वर्ष 267 दिन में पथुम निसांका ने 210 रन 139 गेंदों में बनाए।

26 वर्ष 186 दिन रोहित ने 209 रन 158 गेंदों में बनाए

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लखनऊ हादसा: 8 की मौत, रेस्क्यू जारी

स्नीफर डॉग से मलबे में लोगों की तलाश, परिजनों का शव रखकर प्रदर्शन

लखनऊ । शनिवार शाम हुए बिल्डिंग हादसे में अब तक 8 लोगों की मौत हो चुकी है। 27 घायल हैं। SDRF-NDRF के 100 से अधिक जवान 17 घंटे से रेस्क्यू ऑपरेशन में लगे हैं। स्निफर डॉग से मलबे में लोगों की तलाश की जा रही है। इधर, मृतक धीरू गुप्ता के परिजन जुबानगंज चौराहे पर शव रखकर प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी मांग है कि सरकार आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करे और मुआवजा दिया जाए। सीएम योगी आज घायलों से मिलने लोक बंधु अस्पताल जाएंगे। शनिवार शाम ट्रांसपोर्ट नगर में 3 मंजिला बिल्डिंग (हरमिलाप टावर) भरभराकर गिर गई थी। SDRF की 2 और NDRF की 4 टीमों ने पूरी रात भर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। मलबा इतना ज्यादा था कि बगल

की बिल्डिंग की दीवार कटर से काटकर रास्ता बनाया गया, तब टीम अंदर घुस पाई। ड्रोन से सर्चिंग की गई। मोबाइल की लोकेशन ट्रेस कर शवों को बाहर निकाला। शुरूआती जांच के मुताबिक, बिल्डिंग के बेसमेंट में काम चल रहा था। इसी वजह से हादसा हुआ। जॉइंट सीपी अमित वर्मा ने कहा- राहत बचाव कार्य जारी है। अब किसी के फंसे होने की संभावना नहीं है। लेकिन पूरा मलवा हटवाया जा रहा है। DCP आर एन सिंह ने बताया- कल से हमारा बचाव अभियान जारी है। हम आगामी 5-6 घंटे में बचाव अभियान पूरा हो जाएगा। फिलहाल घायलों की स्थिति ठीक है। NDRF, SDRF की टीमें लगी हैं। इमारत जर्जर थी इस वजह से ढह गई। मरने वालों में 8 की पहचान कर ली गई है जिनमें 1- पंकज तिवारी पुत्र सत्य प्रकाश तिवारी उम्र लगभग 40 वर्ष (लोक बंधु अस्पताल), 2- धीरज गुप्ता पुत्र महादेव गुप्ता उम्र लगभग 48 वर्ष (लोक बंधु अस्पताल), 3- अरूण सोनकर पुत्र संजय सोनकर उम्र लगभग 28 वर्ष (लोक बंधु अस्पताल), 4- राजकिशोर पुत्र श्रीकृष्ण उम्र 27 वर्ष (लोक बंधु अस्पताल), 5- जसप्रीत सिंह साहनी (अपोलो अस्पताल), 6- जगरूप सिंह, 7- रुद्र यादव, 8- राकेश लखन पाल। अब तक 8 शव निकाले जा चुके हैं। NDRF की टीम मलबे को हटाकर देख रही है। जेसीबी और क्रेन के सहारे मलबे को हटाया जा रहा है। राजेंद्र सिंह ने बताया कि हम जीने से पास उतर रहे थे, तभी धुआं जैसा दिखा। हम भागने लगे तो गाड़ी में फंस गए, वहीं चोट लग गई। मैं सीतापुर का रहने वाला हूं। हमारे साथ करीब 20 आदमी थे। वहां पर 20 लोग और भी थे। हादसे के बाद शुभी के पति और देवर लापता हो गए। शुभी ने बताया कि मेरे पति और देवर अंदर काम करते थे। हादसे के समय बिल्डिंग में मौजूद लक्ष्मी शंकर यादव ने बताया- मैं वहीं काम कर रहा था। सेकेंड फ्लोर पर था। अचानक से पिलर क्रैक हुआ। दौड़कर नीचे पहुंचे तो देखा कि पिलर क्रैक हो गया था। हम भागकर गए और सबको बताया कि बाहर निकलो। कुल 40 लोग वहां थे। जब तक लोग निकलते बिल्डिंग गिर गई। मेरा घर सीतापुर है। हादसे के वक्त बगल की बिल्डिंग में काम कर रहे अतुल राजपूत ने बताया- मैं दूसरी वाली बिल्डिंग में था। जिस बिल्डिंग में हादसा हुआ, वहां मेरा भाई आदित्य काम कर रहा था। मैंने भाई को फोन किया, वह बोला- बचाओ। मैं भागकर पहुंचा और उसे बचाने लगा।

झाडियों में मिले नवजात मासूम का हैलट के आईसीयू में चल रहा है इलाज

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की तहसील राठ के कस्बा खेड़ा में पिछले दिनों एक नवजात मासूम बच्चा झाडियों में पडे. होने की जानकारी पर राठ पुलिस ने मौके पर पहुँचकर बच्चे को झाडियों से उठाकर हमीरपुर जिला अस्पताल में एडमिट कराया गया था, जबकि हमीरपुर जिला अस्पताल में बच्चे की हालत में सुधार न होने पर उसे कानपुर हैलट के लिए रैफर किया गया था, फिलहाल बच्चा कानपुर हैलट के आईसीयू में एडमिट है, जबकि हैलट में मासूम बच्चे की हिफाजत के लिये नगर पुलिस कर्मी सहित चाइल्ड लाइन के जिम्मेदार सुपरवाइजर अनुभव और लियाकत पूरी मुस्तैदी के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाते हुये कानपुर के हैलट में मौके पर मौजूद है।

जनता के हित में एनडीए को मजबूत करने का काम: लोकदल

कसया, कुशीनगर। राष्ट्रीय लोक दल के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व एमएलसी रामाशीष राय ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल केन्द्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं, उपलब्धियों को जनता, किसानों और नौजवानों तक पहुँचाने के अभियान में जुटेगा, प्रदेश में एनडीए को मजबूत कर आरएलडी ताकत प्रदान करेगी। इसके लिए संगठन को पुनर्गठित करने का निर्णय लिया गया है, जो 15 अगस्त के बाद से ही शुरू हो गया है। प्रदेश अध्यक्ष श्री राय जिला कुशीनगर के कसया ब्लॉक के मीटिंग हाल मे पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मंशा के अनुरूप केन्द्रीय योजनाओं का अमलीजामा पहनाने में आरएलडी रचनात्मक भूमिका निभायेगी। प्रधानमंत्री ने कौशल विभाग स्वतत्र प्रभार और

शिक्षा राज्य मंत्री का प्रभार जयंत चौधरी को दिया है। जिसके माध्यम से युवाओं को प्रशिक्षित करने और उन्हें छोटे-छोटे कुटीर उद्योगों के माध्यम से रोजगार देने और देश का आकर्षक ढाचा मजबूत करने मे सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक दल का प्रतिनिधि मण्डल 1 अगस्त को केन्द्रीय मंत्री के साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिला और प्रदेश के किसानों, बेरोजगार, नौजवानों के बारे में चर्चा किया। जिसपर सीएम ने कहा कि प्रदेश का समन्वित सम्पूर्ण विकास स्वच्छ प्रशासन देने के लिए कृत सकल्पित हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए अनेक शिक्षण संस्थान और मेडिकल संस्थान खोले जाने की चर्चा करते हुए गन्ना किसानों का राही समय पर पेमेन्ट और लाभकारी मूल्य तथा चीनी मिलो को कैसे सुचारू संचालन हो पर भी अपनी योजनाओं की चर्चा किया। पूर्व एमएलसी ने कहा कि प्रदेश में होने वाले 10 विधान सभा उप चुनावों में पार्टी अपने कार्यकताओं को अभी से जुटने के लिए बैठकें कर रही है। बूथ तक कमेटियाँ बनाने का निर्णय लिया है तथा 15 सितम्बर तक प्रदेश अध्यक्ष को सभी सीटों पर जाकर बैठकें करने का निर्देश राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दिया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विनोद प्रताप कुंवर सिंह ने किया। राष्ट्रीय लोक दल की बैठक में विवेक चौधरी क्षेत्रीय अध्यक्ष संत कबीर नगर क्षेत्र, सुरेश शाही प्रदेश सचिव, राम भवन राय प्रदेश सचिव, मुरारी लाल यादव प्रदेश सचिव, सीताराम मौर्य, हरि कसेरा, सीपी निगम, श्रीनिवास गुप्ता, ध्रुव नारायण सिंह, एमएस निजामी मौजूद रहे।

राज्य शिक्षक पुरस्कार प्राप्त पत्रकार हैं सुनील त्रिपाठी हैं पूर्वांचल के गौरव

कुशीनगर। शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2023 -, 24 के लिये राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक पत्रकार सुनील कुमार सुमन को जिले के पत्रकारों ने सम्मानित किया और कहा कि शिक्षक सुमन पूर्वांचल के गौरव हैं। अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा सामिति (एबीपीएसएस) की जिला इकाई द्वारा रविवार को कसया तहसील क्षेत्र के ग्राम साखोपार स्थित कैम्प कार्यालय पर आयोजित सम्मान समारोह में फाजिलनगर क्षेत्र के महासोन निवासी सुनील कुमार सुमन को संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अजय प्रताप नारायण सिंह के नेतृत्व में माल्यार्पण किया गया और अंगवस्त्र, प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। शिक्षक सुमन जो रुदवलिया में संचालित जनपदीय आदर्श उच्च प्राथमिक

विद्यालय (संविलियन) में वर्तमान में शिक्षक पद पर वर्ष 2009 से कार्यरत हैं। प्रदेश अध्यक्ष श्री सिंह, प्रदेश सचिव विनय कुमार उपाध्याय, विनय कांत मिश्रा, क्षेत्रीय सचिव विजय कुमार राव, मंडल अध्यक्ष अजय कुमार मिश्रा, मण्डल महासचिव व प्रवक्ता असफाक अंसारी ने कहा कि शिक्षक रहते हुए सुमन त्रिपाठी ने कवि व पत्रकार के रूप में अपनी ख्याति प्राप्त की है और अपने शैक्षणिक कर्तव्यों का बखूबी निर्वाह करते हुए बेसिक विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों की मेधा क्षमता में गुणवत्ता पूर्ण वृद्धि के लिए बहरीन कार्य किये। श्री सुमन को राज्य पुरस्कार मिलना पूर्वांचल के लिए गर्व की बात है। अपने सम्मान से भावुक श्री सुमन ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पत्रकार समाज का आईना होता है। हम सब मिलकर प्रेम, सहयोग के साथ शिक्षा, समाज मे अपना योगदान देकर औरों को प्रेरित कर सकते हैं। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष हृदया नन्द शर्मा ने किया। अंत में एक दैनिक समाचार पत्र स्पष्ट आवाज के संस्थापक स्व. एस एल सिंह की चौथी पुण्यतिथि पर दो मिनट का मौन रख उन्हें भावभिनी श्रद्धांजलि दी गयी। इस दौरान जिला महामंत्री विनोद कुमार तिवारी, जिला सचिव सुधाकर उपाध्याय, जिला सूचना मंत्री ज्ञानेश्वर बरनवाल, तहसील पड़रौना अध्यक्ष आदित्य कुमार दीक्षित, मोहन राव, विवेकानंद सिंह, उमर फारूक, सरताज आलम, सिरजेश यादव, कार्यालय प्रभारी मस्तराज शर्मा, राजन कुमार सिंह, रवि प्रकाश पाण्डेय, धनन्जय पाण्डेय, मिंटू लारी, मंतोष्ट जायसवाल, जगदीश सिंह, अयोध्या सिंह, विजय बहादुर राय सहित संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

लखनऊ में तेज बारिश, हवाएं चल रहीं: उमस भरी गर्मी से राहत

लखनऊ । दोपहर बाद कई इलाकों में तेज बारिश शुरू हो गई। गोमती नगर इंदिरा नगर, कृष्णा नगर, हजरतगंज समेत कई इलाकों में गरज-चमक के साथ बरसात हो रही है। आसमान में काले बादल छाए हैं। तेज हवाएं भी चल रही हैं। बारिश के बाद मौसम सुहाना हो गया है। आज सुबह से ही तेज धूप थी। उमस भरी गर्मी से लोग परेशान थे। बारिश होने से गर्मी से राहत मिली है। करीब 30 मिनट की ही बारिश में गोमती नगर और चौक इलाके में जलभराव हो गया। लोगों को सड़क पार करने के लिए पानी में उतरना पड़ा। रविवार की बारिश में लोग सड़कों पर भीगते दिखे। रविवार होने की वजह से शहरी इलाकों में भीड़ ज्यादा दिखी। लेकिन बरसात हो जाने से लोग मौसम का लुत्फ लेते दिखे।

प्रॉपर्टी डीलर और भाई को पिस्टल की बट से मारा

लखनऊ । सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में एक प्रॉपर्टी डीलर और उसके भाई को कुछ दबंगों ने लाठी डंडों से जमकर पिटाई कर दी। दबंगों ने असलहों के बट से सिर पर कई वार कर घायल कर दिया। जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। सीसीटीवी फुटेज जब्त कर ली गई है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। मयंक मिश्रा उर्फ हिमांशू सुशांत गोल्फ सिटी में परिवार के साथ रहते हैं। वह प्रॉपर्टी डीलर का काम करते हैं। मयंक ने पुलिस को बताया कि वो शनिवार की शाम को सुशांत गोल्फ सिटी स्थित अमित तिवारी के ऑफिस पहुंचे थे। वहां पैसे को लेकर मूलरूप से बस्ती के रहने वाले जयशंकर से बातचीत कर रहे थे। बातचीत के दौरान वहां मौजूद दीपक मिश्रा उग्र हो गए। गाली-गलौज करने लगे। मारपीट पर आमदा हो गए। मयंक ने बताया कि दीपक ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल निकाल लिया। सिर पर

हमला कर लहुलुहान कर दिया। इसके बाद उसने अपने छोटे भाई कार्तिकेय मिश्रा को फोन मिलाकर बुलाया, दोनों ने मिलकर लाठी डंडों से बुरी तरह पीटा। पिटाई के दौरान मयंक का सोने का लॉकेट भी गिर गया। वो किसी तरह अपनी जान बचाकर वहां से भागे। मारपीट की घटना ऑफिस में लगे सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गई। सुशांत गोल्फ सिटी थाना प्रभारी अंजनी कुमार मिश्र ने बताया कि मयंक की तहरीर पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर एक आरोपी दीपक को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की जा रही हैं ।

भोजपुरी को आठवीं अनुसूची में शामिल करने की उठी मांग

कसया, कुशीनगर। बुद्ध पीजी।कुशीनगर के भदन्त चंद्रमणि सभागार परिसर में रविवार को भोजपुरी पुनर्जागरण मंच द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में पदाधिकारियों को पद की शपथ दिलाई गई। मुख्यअतिथि डा. लारी ने कहा कि भोजपुर भाषा बोलने से गर्व की अनुभूति होती है। इसके उत्थान, माई, माटी, संस्कृति के उत्तरोत्तर विकास व आठवीं अनुसूची में भोजपुरी को शामिल करने और सांस्कतिक फूहड़पन को रोकने के लिए मंच ने अलख जगाया है। हम सभी को मिलकर भोजपुरी भाषा को उचित स्थान दिलाने के लिए आगे आना होगा। मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरसिंह ने अतिथियों का परिचय कराते हुए कहा कि भोजपुरी भाषा पूरे विश्व में करोड़ों लोगों की भाषा है। यह भाषा साहित्य, लोक कला के क्षेत्र में काफी समृद्ध है। देश समाज के विकास के लिए भोजपुरी को उसका हक दिलाने के लिए आगे

आना होगा। वक्ता के क्रम में प्रो. आरपी सिंह, अभिमन्यु पाण्डेय आदि ने अपने विचार रखे। मुख्य अतिथि डॉ लारी आजाद व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संगठन के पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। शपथ केंद्रीय सामिति के अध्यक्ष नरसिंह, उपाध्यक्ष विनोद सिंह, रीतेश सिंह, आचार्य कैप्टन वीरेंद्र सिंह, संतोष यादव, प्रकाश सिंह, कृष्ण मोहन, जय प्रकाश गोंविन्द राव, सोमनाथ व देवरिया, कुशीनगर, गोरखपुर की जिला पदाधिकारियों ने ली। समारोह की शुरूआत माता सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन और दीप प्रज्वलित कर अतिथियों ने किया। सभी का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया और अंगवस्त्र, मनोनयन पत्र देकर सम्मनित किया गया। मंगला, आर्या ने सरस्वती वंदना व गीतकार सुनील मिश्रा, अतुल भारती, रविशंकर पाठक आदि ने भोजपुरी गीत संगीत की शानदार प्रस्तुति दी। संचालन डॉ राजेश सिंह ने किया। आभार प्रहलाद केशरी, डॉ रीतेश सिंह ने व्यक्त किये। इस दौरान रामेश्वर विश्वकर्मा, डॉ जितेंद पाण्डेय, बाल मुकुंद शुक्ला, धीरेन्द्र त्रिपाठी, संतोष यादव, आदित्य पाण्डेय, डॉ सभाराज सिंह, संदीप त्रिपाठी, रविन्द्र पाण्डेय, कन्हैया केशरी, विजय कुमार गुप्ता, शम्भू राय, कुशीनगर जिलाध्यक्ष अनिल सिंह, देवरिया जिलाध्यक्ष डॉ अनूप सिंह, तेज प्रताप श्रीवास्तव, रविन्द्र नाथ पाण्डेय, धनेश गुप्ता, संजय जयसवाल, जितेंद कुमार सैनी, अभय कुमार सिंह, बलराम सिंह, सुरेश शुक्ला, राम विश्वास शर्मा सहित संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

जिला जज ने दीवानी न्यायालय कसया का औचक निरीक्षण किया

कुशीनगर। जनपद के नवागत जनपद न्यायाधीश सुशील कुमार शशि ने आज रविवार को बाह्य दीवानी न्यायालय कसया का औचक निरीक्षण किया तथा यहां उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों से वार्ता की। जैसा की विदित है जनपद न्यायाधीश कुशीनगर के रूप में सुशील कुमार शशि ने अपना कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात अवकाश पर चले गए थे ।आज रविवार को वापस आते समय उन्होंने बाह्य दीवानी न्यायालय कसया का आवश्यक निरीक्षण किया। उन्होंने नए व पुराने न्यायालय भवन के सभी कार्यालय, सड़क, सफाई व्यवस्था शौचालय, पानी की सुविधा को देखा और यहां उपस्थित न्यायिक अधिकारियों व नजारत से जानकारी प्राप्त किया। नवागत जनपद न्यायाधीश के आगमन की सूचना पर सभी कर्मचारी, लिपिक व नजारत के लोग उपस्थित रहे। न्यायिक अधिकारीगण में सिविल जज सीनियर डिवीजन कसया मयंक प्रकाश, न्यायिक मजिस्ट्रेट कसया संजय कुमार उपस्थित रहे ।इस अवसर पर जानकारी प्राप्त होने के बाद पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट ओमप्रकाश पांडे, पूर्व मंत्री आनंद राय, वर्तमान मंत्री ज्ञान प्रकाश द्विवेदी ने उन्हें बुके देकर माल्यार्पण कर स्वागत किया तथा बार में आमंत्रण हेतु निवेदन किया।

स्कॉर्पियो-थार सवार बदमाशों ने युवक को पीटा, फायरिंग की: गाड़ी से फेंका

लखनऊ । स्कॉर्पिओ और थार सवाल 12 से ज्यादा लोगों ने युवक पर लाठी डंडों से हमला किया। भागने लगा तो फायरिंग कर रोका। कार में बिठाकर ले गए। कार से फेंककर भाग गए। पीड़ित का कहना है कि फोन कर मिलने के लिए बुलाया था.। शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पीड़ित राम कृष्ण सिहं उर्फ किशन मूलरूप से प्रतापगढ़ जिले के रहने वाले हैं। आरोपियों की तलाश की जा रही है। पीड़ित किशन सिंह वृंदावन योजना सेक्टर 18 में रहते हैं। यहीं रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करते हैं। पुलिस को दी गई शिकायत में उन्होंने बताया कि शनिवार शाम 7:49 बजे उनके मोबाइल नंबर पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आई। फोन उठाया तो दूसरी तरफ से दिव्यांशु पटेल नाम का लड़का गाली गलौज करने लगा, इस पर उन्होंने फोन काट दिया। दिव्यांशु ने कई बार फोन किया। एन्क्लेव के गेट पर मिलने के लिए बुलाया। दिव्यांशु करीब 11 बजे चचेरे भाई आदित्य सिंह के साथ पहुंचा तो गेट पर दिव्यांशु कार सवार और असलहे से लैश एक दर्जन से ज्यादा लोगों के साथ नीचे मिला। सभी के हाथ में हथियार और लाठी डंडे थे। पास पहुंचते ही दिव्यांशु किशन की पिटाई करने लगा। वहां से किशन भागना चाहा तो दिव्यांशु और उसके साथियों ने फायरिंग कर रुकने को कहा। सभी ने मारते-पीटते हुए किशन को गाड़ी में लाद लिया। रास्ते भर पिटाई करते रहे। करीब दो किमी दूर ले जाकर गाड़ी से नींचे फेंक दिया। गाड़ी चढ़ाने का भी प्रयास किया। लाठी डंडों से पीटकर अधमरा कर दिया। किसी से पुलिस को सूचना दी। मौके से पुलिस ने गोलियों का खोखा बरामद किया। आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। किशन का कहना है कि दिव्यांशु ने उसे मई में फोन करके किसी लड़की से बात न करने की बात कही थी। बात करने पर जान से मारने की धमकी दिया था। लड़की का नाम पूछने पर वह कुछ नहीं बताता था और फोन पर बस गालियाँ देता था। किशन ने बताया कि मैंने उसका नंबर ब्लॉक कर दिया। सेकेंड इंस्पेक्टर पीजीआई अमित सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर सुसंगत में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी हैं।

डिजिटल अरेस्ट कर 2 करोड़ की ठगी करने वाले 2 और आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने लखनऊ से डिजिटल अरेस्ट कर 2 करोड़ रुपये की ठगी करने वाले 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने एसजीपीजीआई के एसोसिएट प्रोफेसर को सीबीआई अधिकारी बनकर ठगी की थी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लोकेश जैन और पवन जैन के रूप में हुई है। उनके पास से 9.91 लाख रुपये नकद, 3 मोबाइल फोन और एक फॉक्सवैगन एमियो कार बरामद हुई है। आरोपियों ने पुलिस पूछताछ में बताया कि उन्होंने एसजीपीजीआई के डॉक्टर को अपने खाते की जानकारी देने के लिए धोखा दिया और फिर उनके खाते से 2 करोड़ रुपये निकालकर अपने गिरोह के सदस्यों के खातों में ट्रांसफर कर दिए। साइबर अपराधी लोगों को ठगी का शिकार बनाने के लिए ऐसे-ऐसे कहानी बुन रहे हैं, जिसके खौफ में अच्छे से अच्छा पढ़े-लिखे जानकार लोग फंस जा रहे हैं। पिछले महीने अगस्त में ऐसा ही मामला लखनऊ से सामने आया था। यहां पीजीआई की डॉक्टर से को मनी लॉन्ड्रिंग और नेशनल सिक्योरिटी का डर दिखाकर ठगों ने उन्हें डिजिटल अरेस्ट कर लिया फिर उनसे 2 करोड़ रुपये ठग लिये थे। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने महिला डॉक्टर से ठगे गए दो करोड़ 30 लाख में 65 लख रुपये बरामद कर चुकी है। पकड़े गए दोनों लोकेश जैन और पवन जैन से 9 लाख 91 हजार नगद बरामद हुए हैं। डिजिटल अरेस्टिंग कर ठगी करने वाले गिरोह के सदस्य कभी खुद को कभी एऊतो कभी उइक अधिकारी बनकर लोगों से ठगी करते थे।

केजीएमयू के प्रोफेसर आमोद कुमार सचान निलंबित

लखनऊ। केजीएमयू फॉमोकोलॉजी विभाग के हेड प्रोफेसर आमोद कुमार सचान को निलंबित कर दिया गया है। केजीएमयू के वीसी प्रोफेसर. सोनिया नित्यानंद ने इसको लेकर आदेश जारी किया है। निलंबन के दौरान आमोद कुमार सचान डीन ऑफिस से संबद्ध रहेंगे। सचान को लेकर केजीएमयू में काफी लंबे समय से विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि अपने रसूख से उन्होंने यह फाइल दबा ली थी। हालांकि इसी दौरान ईडी ने सचान के खिलाफ ईडी ईडी ने आय से अधिक संपत्ति की जांच शुरू कर दी थी। यहां तक उनकी जांच सीबीआई से कराने का आदेश दिया गया। ईडी के पत्र के बाद शासन हरकत में आया। उसके बाद विश्वविद्यालय प्रशासन को शासन ने पत्र भेजा। उसके बाद 27 अगस्त को कार्य परिषद की बैठक में सचान के खिलाफ करने का फैसला लिया गया। उसके बाद रजिस्ट्रार अर्चना गहरवार ने उनका निलंबन आदेश जारी कर दिया है। इस बारे में प्रोफेसर आमोद कुमार सचान ने कहा कि उनके खिलाफ की गई शिकायत झूठी है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

वेस्ट बैंक में इजरायली गोलीबारी में फिलिस्तीनी लड़की की मौत

रामल्लाह, एजेंसी। उत्तरी वेस्ट बैंक में नब्लस के दक्षिण में करयुत गांव में इजरायली गोलीबारी में एक फिलिस्तीनी लड़की की मौत हो गई। चिकित्सा सूत्रों ने शुक्रवार को समाचार एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि 13 वर्षीय की सीने में गोली लगने से मौत हो गई। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, फिलिस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने एक बयान में कहा कि उनकी टीमों ने कैरयूट में सीने में गंभीर चोट लगने वाली एक लड़की का इलाज किया। घायल लड़की को नब्लस के रफीडिया सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उनके पिता ने समाचार एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि बाना बेकर को इजरायली सेना की गोलीबारी में तब चोट लगी जब वह अपनी बहनों के साथ घर के कमरे में थीं। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि शुक्रवार को कई लोगों ने गांव पर हमला कर दिया, पत्थर फेंके और आग लगा दी। घटना पर इजरायल की तरफ से अभी तक कोई टिप्पणी सामने नहीं आई है। 7 अक्टूबर, 2023 को हमास और इजरायल के बीच हुए संघर्ष के बाद से फिलिस्तीनी और इजरायली लोगों के बीच पश्चिमी तट पर तनाव बढ़ता जा रहा है।

बांग्लादेश ने सब्जी आयात पर शुल्क घटाया

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश के कर संग्रह निकाय, राष्ट्रीय राजस्व बोर्ड ने रसोई की आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए प्याज और आलू के आयात पर टैक्स कम कर दिया है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कर प्राधिकरण ने गुरुवार को एक बयान में कहा, बोर्ड ने प्याज आयात पर 5 प्रतिशत नियामक शुल्क माफ कर दिया है और आलू आयात पर सीमा शुल्क 25 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया है। इसके अलावा, बोर्ड ने फसल सुरक्षा रसायनों की आपूर्ति बढ़ाने के लिए कीटनाशकों के आयात पर शुल्क 25 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया है। कर प्राधिकरण ने कहा कि कटौती 30 नवंबर, 2024 तक सक्रिय रहेगी। बाढ़ और हालिया राजनीतिक अराजकता के कारण उपजे आपूर्ति व्यवधानों के प्रभाव को ध्यान में रखते यह निर्णय लिया गया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में बांग्लादेश में मुद्रास्फीति दर बढ़कर 11.66 प्रतिशत हो गई, जो 13 सालों में सबसे अधिक है। यह मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों की बढ़ी कीमतों के कारण है।

सिंगापुर से चीन जा रहे बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान में गड़बड़ी, सात यात्रियों को आई चोट

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर से चीन जा रहे बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान में गड़बड़ी के कारण सात यात्रियों को चोट आई है। जिस विमान में गड़बड़ी हुई उसे संचालित करने वाली एयरलाइन कंपनी का नाम स्कूट है। खबरों के मुताबिक ग्वांगझू में सुरक्षित लैंडिंग कराने के बाद एक शख्स को अस्पताल में भर्ती कराया गया। विमानन कंपनी स्कूट ने बताया, शुक्रवार सुबह विमान के ग्वांगझू के पास पहुंचने पर चालक दल ने गड़बड़ी की शिकायत की। इसके बाद बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर श्रेणी के इस विमान में टर्ब्युलेंस हुआ। झटके लगने के कारण चार यात्रियों और तीन चालक दल के सदस्यों को चोटें आईं। खबर के मुताबिक स्कूट एयरलाइंस की फ्लाइट संख्या-टीआर100 सुबह करीब 5.45 बजे सिंगापुर से रवाना हुई थी। उड़ान भरने के करीब तीन घंटे बाद टर्ब्युलेंस की खबर आई। स्थानीय समयानुसार सुबह 9.10 बजे विमान चीन के ग्वांगझू में सुरक्षित लैंड कराया गया। स्कूट कंपनी के मुताबिक ग्वांगझू पहुंचने पर पीड़ितों को तत्काल चिकित्सा सहायता मुहैया कराई गई। 6 सितंबर को स्थानीय समयानुसार रात 8.30 बजे, एक चोटिल यात्री को बेहतर निगरानी के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। कंपनी ने यात्रियों के साथ-साथ चालक दल के जीवन के साथ कोई समझौता न करने की बात कही है।

ब्रिटेन का आरोप- विज्ञापन के क्षेत्र में प्रभुत्व का गलत इस्तेमाल कर रहा गूगल, हो सकता है जुर्माना

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के विनियामक ने गूगल पर डिजिटल विज्ञापन के क्षेत्र में अपने प्रभुत्व का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। वह अपने प्रभुत्व का लाभ उठाकर ब्रिटेन में प्रतिस्पर्धा को समाप्त कर रही है। ब्रिटेन के प्रतिस्पर्धा और बाजार प्राधिकरण ने कहा कि जांच में पता चला है कि गूगल की मूल कंपनी अल्फाबेट ब्रिटेन के 201.48 अरब रुपये के डिजिटल विज्ञापन बाजार में ऑनलाइन प्रकाशकों व विज्ञापनदाताओं को नुकसान पहुंचाती है और अपनी सेवाओं को प्राथमिकता देती है। संस्था के अंतरिम कार्यकारी निदेशक जूलियट एनसर ने कहा कि निष्कर्षों के आधार पर गूगल पर अरबों डॉलर का जुर्माना या अपने व्यवहार को बदलने का आदेश दिया जा सकता है। उन्होंने कहा, डिजिटल विज्ञापन पारिस्थितिकी तंत्र में गूगल एक प्रमुख खिलाड़ी है, जो प्रकाशकों को अपनी वेबसाइट और एप पर विज्ञापन के लिए सर्वर देता है। उन्होंने कहा, हमने पाया है कि जब वेबसाइट पर देखे जाने वाले विज्ञापनों की बात आती है तो गूगल अपनी बाजार शक्ति का इस्तेमाल प्रतिस्पर्धा में बाधा डालने के लिए करता है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री से मिले यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की: यूक्रेन को 250 मिलियन डॉलर की मदद देगा अमेरिका

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने शुक्रवार को अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन से मुलाकात की। ये मुलाकात जर्मनी में हुई जहां 50 से अधिक सहयोगी देशों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। जेलेंस्की मीटिंग में सहयोगी देशों से रूस के खिलाफ जंग में और अधिक हथियारों की मांग करने पहुंचे थे। मीटिंग के दौरान अमेरिका ने यूक्रेन को रूस के खिलाफ जंग में 250 मिलियन डॉलर की मदद देने का ऐलान किया। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड आस्टिन ने कहा कि यह मीटिंग ऐसे खास समय में हो रही है जब यूक्रेन रूस के खिलाफ पहली बार आक्रामक रुख अपना रहा है, जबकि डोनबास इलाके में रूसी सेना के खतरे का सामना कर रहा है।

यूक्रेन डिफेंस कॉन्टैक्ट ग्रुप की यह मीटिंग जर्मनी के रामस्टीन एयर बेस पर हुई। जेलेंस्की बोले- रूस में अंदर तक हमला करने की जरूरत यूक्रेनी राष्ट्रपति ने मीटिंग के दौरान एक बार फिर रूस के खिलाफ अंदर तक हमला करने की बात को दोहराया। जेलेंस्की ने कहा कि अब रूस के भीतर गहराई तक हमले करने की आवश्यकता है। जेलेंस्की ने पश्चिमी देशों से हथियारों के उपयोग से जुड़े प्रतिबंधों में ढील देने के लिए कहा। साथ ही रूस के हवाई ठिकानों और लॉन्च साइट्स को निशाना बनाने की परमिशन मांगी। जेलेंस्की का यह बयान हाल ही में यूक्रेन पर हुए रूसी हवाई हमलों के बाद आया। इन हमलों के दौरान रूस ने यूक्रेन के एक सैन्य प्रशिक्षण केंद्र को भी निशाना बनाया था। इन हमलों में 50 से अधिक लोग मारे गए थे। दूसरी तरफ रूस ने आज फिर यूक्रेन के पावलोहराद शहर पर 5 बैलेस्टिक मिसाइलें दागीं। इसमें 50 से अधिक लोग घायल हो गए है। हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइलें दे सकता है अमेरिका अमेरिकी रक्षा मंत्री ऑस्टिन ने कहा कि पश्चिमी देश यूक्रेन के स्-300 सिस्टम के विकल्प की तलाश कर रहे हैं। यूक्रेन का ये डिफेंस सिस्टम सोवियत काल का है। इस दौरान रुस और यूक्रेन एक ही देश हुआ करते थे। अमेरिका यूक्रेन को हवा से जमीन पर मार करने वाली छ्स्स्रू मिसाइल देने पर विचार कर रहा है। इन मिसाइलों को हाल ही में यूक्रेन के दिए गए स्न-16 लड़ाकू विमानों से इस्तेमाल किया जा सकता है। ये मिसाइलें यूक्रेन के लिए लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल के तौर पर काम कर सकती हैं। पिछले दो सालों से यूक्रेन डिफेंस ग्रुप के सदस्य यूक्रेन को हथियार देने के लिए मीटिंग कर रहे हैं। इन मीटिंग में यूक्रेन को गोला-बारूद से लेकर एयर डिफेंस सिस्टम और लड़ाकू विमान देने तक पर फैसला लिया जाता है। शुक्रवार को हुई मीटिंग में भी एयर डिफेंस सिस्टम और आर्टिलरी की सप्लाई करने के साथ यूक्रेन की डिफेंस इंडस्ट्री को मजबूत करने पर चर्चा हुई। एपी के मुताबिक इसका मकसद यह कि जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का कार्यकाल समाप्त हो, तब तक यूक्रेन मजबूत स्थिति में आ जाए। यूक्रेनी हमले का पुतिन पर खासा असर नहीं समाचार एजेंसी एपी के मुताबिक रूस के कुर्स्क इलाके में यूक्रेन हमले का पुतिन पर खासा असर नहीं हुआ है। पुतिन ने अभी भी अपना ध्यान यूक्रेन के पोक्रोव्स्क शहर से नहीं हटाया है। पोक्रोव्स्क शहर यूक्रेनी सेना को महत्वपूर्ण रेल और सप्लाई लिंक प्रदान करता है। अगर यूक्रेन इस शहर को खो देता है तो इससे दूसरे शहरों को खोने का खतरा भी बढ़ सकता है। साथ ही इससे उसके द्वारा रूस के खिलाफ शुरू किए गए आक्रामक हमलों पर भी असर पड़ेगा।

द. कोरिया में तेजी से गिर रही जन्म दर, रोकने के हरसंभव प्रयास में जुटी सरकार, नहीं मिल रही सफलता

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में जन्म दर तेजी से गिर रही है। सरकार अपनी जन्म दर में तेज गिरावट को रोकने के हरसंभव प्रयास में जुटी है, लेकिन पूरी तरह सफल नहीं हो पा रही है। नीति-निर्माता युवाओं को यह बता पाने में असफल सिद्ध हो रहे हैं कि स्टाइलिश कपड़े पहनना या फैंसी रेस्तरां में जाने की तुलना में माता-पिता बनना बेहतर विकल्प है। दक्षिण कारिया अपने युवाओं को बच्चे पैदा करने के लिए पिछले कई सालों से प्रोत्साहित कर कर रहा है लेकिन सफल नहीं हो पा रहा।

एक रिपोर्ट के अनुसार, यह देश सबसे कम जन्म दर के अपने रिकार्ड को लगातार तोड़ रहा है। गत वर्ष यह अब तक के सबसे निचले स्तर पर जा पहुंचा था। केंद्रीय बैंक के आंकड़े बताते हैं कि 30 आयु वर्ग के लोगों की बचत दर पांच साल पहले की 29.4प्रतिशत से घटकर पहली तिमाही में 28.5प्रतिशत हो गई, जबकि इसी अवधि में अन्य सभी आयु समूहों में वृद्धि हुई। इसी समय 20 और 30 आयु वर्ग के लोग डिपार्टमेंट स्टोर और बड़े होटलों में सबसे अधिक खर्च करने वाले लोग हैं। इसी दौरान उनका यात्रा व्यय 3 वर्षों में 33.3 से बढ़कर 40.1प्रतिशत हो गया है।

ऑस्ट्रेलिया में ऑनलाइन बाल शोषण की बढ़ रही तादाद, पुलिस ने अभिभावकों को किया आगाह

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने ऑनलाइन यौन और हिंसक कंटेंट तैयार करने के लिए बच्चों को मजबूर करने की संख्या में वृद्धि पर चेतावनी जारी की है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस (एएफपी) ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया में बढ़ते ऑनलाइन चलन पर माता-पिता और अभिभावकों को आगाह किया है। पुलिस ने बताया कि कम उम्र के बच्चे ऑनलाइन अपराध का अनजाने में शिकार बन रहे हैं। बच्चों को ज्यादा से ज्यादा कंटेट बनाने के लिए मजबूर किया जा रहा है। एएफपी ने कहा कि सैडिस्टिक सेक्स्टॉर्शन इंटरनेट अपराध का एक बढ़ता हुआ प्रकार है जहां ऑनलाइन कम्यूनिटी 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को टारगेट करते हैं। ऑनलाइन कम्यूनिटी में स्वीकृति प्राप्त करने के लिए उन पर स्पष्ट यौन या हिंसक कृत्य की तस्वीर या वीडियो स्वयं बनाने के लिए दबाव डालते हैं। एक बार जब तस्वीर या वीडियो बन जाता है और किसी अपराधी को भेज दिया जाता है, तो प्राप्तकर्ता उस कंटेंट को समुदाय के अन्य सदस्यों को भेज देता है। फिर वो पीड़ित से अपने दोस्तों या परिवार के साथ कंटेंट शेयर करने की धमकी देकर जबरन वसूली करता है और ये तब तक चलता है जब तक उत्तेजित कंटेंट नहीं बनाया जाता। एएफपी के अनुसार, कुछ मामलों में अपराधी निशाना बनाए जाने वाले पीड़ितों की उम्र के ही होते हैं। एएफपी के ह्यूमन एक्पलोईटेशन कमांडर हेलेन सांइडियर ने कहा कि ऑस्ट्रेलियन सेंटर टू काउंटर चाइल्ड एक्सप्लोइटेशन (एसीसीसीई) द्वारा प्राप्त खुफिया जानकारी से पता चलता है कि एक्सट्रीम ऑनलाइन समूहों में अधिकांश अपराधी पैसे के बजाय समूह के भीतर पोजिशन या ख्याति प्राप्त करने की सोच के साथ जुड़ते हैं।

जॉर्जिया स्कूल शूटिंग: आरोपी के पिता ने पहली हत्या पर बेटे की तारीफ की थी, 13 साल की उम्र में उपहार में दी बंदूक

वॉशिंगटन, एजेंसी। जॉर्जिया स्कूल शूटिंग मामले की जांच कर रही एफबीआई को एक ऑडियो क्लिप मिली है। इस ऑडियो क्लिप में पता चला है कि आरोपी कोल्ट ग्रे के पास खतरनाक हथियारों की आसानी से उपलब्धता थी। साथ ही इस ऑडियो क्लिप में पता चला है कि आरोपी के पिता ने अपने बेटे के पहले शिकार की तारीफ की थी और जब उसके बेटे ने एक हिरण का शिकार किया था उसे अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन करार दिया था। आरोपी कोल्ट ग्रे के पिता 54 वर्षीय कॉलिन ग्रे पर भी दूसरी डिग्री की हत्या के दो मामले और बच्चों के साथ क्रूरता के आठ मामले का आरोप लगाया गया है। ग्रे पर यह आरोप इसलिए लगाए गए हैं क्योंकि उन्होंने अपने बेटे कोल्ट को हथियार रखने की अनुमति दी। उन पर लगे सभी आरोप सीधे उनके बेटे द्वारा किए गए कार्यों से जुड़े हुए हैं। अटलांटा के अपलाची हाई स्कूल में बुधवार को हुई गोलीबारी के मामले में 14 वर्षीय कोल्ट ग्रे पर हत्या का आरोप लगाया है। कोल्ट ग्रे ने एक अर्ध-स्वचालित राइफल से अपने स्कूल में गोलीबारी की थी, जिसमें दो छात्र और दो शिक्षक मारे गए तथा नौ अन्य लोग घायल हो गए थे। कोल्ट ग्रे ने साल 2023 में भी अपने स्कूल में गोलीबारी करने की धमकी दी थी। इस पर पुलिस प्रशासन ने जेफरसन स्थित कोल्ट ग्रे के घर जाकर पूछताछ भी की थी।

कनाडा से एक पाकिस्तानी नागरिक गिरफ्तार, IS के साथ मिलकर न्यूयॉर्क को दहलाने की रच रहा था साजिश

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग ने चौंकाने वाली जानकारी दी है। बताया जा रहा कि कनाडा में रह रहे एक पाकिस्तानी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। उस पर इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड अल-शाम (आईएस) को सामग्री और संसाधन मुहैया कराने की कोशिश करने का आरोप है।

सात अक्तूबर को हमला करने की बनाई थी योजना अटॉर्नी जनरल मेरिक बी गारलैंड ने बताया कि 20 साल के आरोपी मुहम्मद शाहजेब खान ने सात अक्तूबर के आसपास न्यूयॉर्क शहर में आतंकवादी हमला करने की योजना बनाई थी। इसका मकसद आईएस के नाम पर अधिक से अधिक यहूदियों का कत्लेआम करना था। अधिकारी बोले- एफबीआई टीम पर गर्व एफबीआई निदेशक क्रिस्टोफर रे ने कहा, इस्राइल पर हमास द्वारा किए हमले को करीब एक साल होने वाला है। ऐसे में, आरोपी कथित तौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका में यहूदी लोगों को मारने के लिए तैयार था। इस जांच का नेतृत्व एफबीआई ने किया था और मुझे एफबीआई टीम और हमारे सहयोगियों द्वारा खान की योजना को नाकामयाब करने के लिए उठाए गए कदम पर गर्व है। अधिकारी ने आगे कहा, आईएस या अन्य आतंकवादी संगठनों के नाम पर हिंसा करने की कोशिश करने वालों की जांच करने और उन्हें जवाबदेह ठहराने के लिए एफबीआई अपने सहयोगियों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगी। आतंकवाद से लड़ना एफबीआई की शीर्ष प्राथमिकता

बनी हुई है। यह है आरोप बताया जा रहा है कि आरोपी खान ने कनाडा से न्यूयॉर्क शहर जाने की कोशिश की। वह न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन में एक यहूदी केंद्र पर आईएस के समर्थन में एक सामूहिक गोलीबारी की घटना को अंजाम देना चाहता था। खान ने नवंबर 2023 में या उसके आसपास आईएस के लिए अपने समर्थन के बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट करना और एक मैसेजिंग एप्लिकेशन पर दूसरों के साथ बातचीत करना शुरू किया था। इसके अलावा, खान ने आईएस का प्रचार करने वाले वीडियो और साहित्य भी बांटे।इतना ही नहीं, बल्कि उसने दो अंडरकवर कानून प्रवर्तन अधिकारियों के साथ बातचीत करना शुरू कर दिया। इन दो तारीखों के लिए रची गई थी साजिश खान ने बार-बार अंडरकवर कानून प्रवर्तन अधिकारियों को हमले करने के लिए ऋ स्टाइल असॉल्ट राइफलें, गोला-बारूद और अन्य सामग्री जुटाने का निर्देश दिया। इसके अलावा उन स्थानों की पहचान की जहां हमले किए जाने थे। खान ने यह भी बताया कि वह हमले करने के लिए कनाडा से संयुक्त राज्य अमेरिका में सीमा कैसे पार करेगा। इन बातचीत के दौरान, खान ने इस बात पर जोर दिया कि यहूदियों को निशाना बनाने के लिए सात अक्तूबर और 11 अक्तूबर सबसे अच्छे दिन हैं क्योंकि सात अक्तूबर को इस्राइल पर हमास के हमले की सालगिरह है। 11 अक्तूबर को योम किप्पुर है।

गुप्त धन मामले में डोनाल्ड ट्रंप को बड़ी राहत, अदालत ने राष्ट्रपति चुनाव तक टाली सजा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को गुप्त धन मामले में बड़ी राहत मिली है। अदालत ने इस मामले में ट्रंप की सजा को नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव तक टाल दिया है। मैनहट्टन के न्यायाधीश जुआन एम. मर्चन ने ट्रंप की सजा को 26 नवंबर तक के लिए स्थगित किया है। पहले 18 सितंबर को सजा सुनाई जानी थी। वहीं, मामले में अब नई तारीख नवंबर में तय की गई है। न्यायाधीश मर्चन ने चार पन्नों के फैसले में बताया कि वह किसी भी उपस्थिति से बचने के लिए सजा को स्थगित कर रहे हैं, चाहे वह कितना भी अनुचित क्यों न हो कि कार्यवाही आने वाले राष्ट्रपति चुनाव से प्रभावित हुई है या प्रभावित करने की कोशिश कर रही है जिसमें प्रतिवादी एक उम्मीदवार है। उन्होंने कहा, न्यायालय एक निष्पक्ष और अराजनीतिक संस्था है, उनके फैसले को किसी भी सुझाव को खारिज कर देना चाहिए। ट्रंप के वकीलों ने याचिका दायर कर मामले में संघीय अदालत से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। उन्होंने तर्क दिया कि दोबारा व्हाइट हाउस तक पहुंचने के अभियान के दौरान पूर्व राष्ट्रपति को दंडित करना चुनाव में हस्तक्षेप होगा। तर्क दिया कि

चुनाव के बाद तक उनकी सजा में देरी करने से उन्हें अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के जुलाई के राष्ट्रपति प्रतिरक्षा फैसले के कारण उनकी सजा को पलटने और मामले को खारिज करने के बचाव पक्ष के अनुरोध पर मर्चेन के नियमों के बाद अगले कदम पर विचार करने का समय मिलेगा। शुक्रवार को अपने आदेश में, मर्चन ने उस पर निर्णय 12 नवंबर तक के लिए टाल दिया। ट्रंप ने न्यायाधीश मर्चन की अदालत से मामले को स्थानांतरित करने की मांग की थी, जिसे एक संघीय न्यायाधीश ने खारिज कर दिया। वहीं, ट्रंप के वकीलों ने कहा कि अगर वे सफल होते तो फैसले को पलटने और मामले को प्रतिरक्षा के आधार पर खारिज करने की मांग करते। बता दें कि ट्रंप संघीय अदालत के फैसले के खिलाफ अपील कर रहे हैं। द्वितीय अमेरिकी सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स से दोषसिद्धि के बाद की कार्यवाही को रोकने के लिए कहा है। उस अदालत ने अभी तक फैसला नहीं सुनाया है। मर्चन के फैसले के बाद ट्रंप अभियान के प्रवक्ता स्टीवन चेउंग ने एक बयान दिया, उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के कारण ट्रंप के खिलाफ सभी मामले खारिज कर दिए जाने चाहिए। मैनहट्टन जिला अटॉर्नी एल्विन ब्रैग का कार्यालय, जिसने मामले पर मुकदमा चलाया था, ने बचाव पक्ष के विलंब अनुरोध पर मर्चन को टालते हुए कोई रुख नहीं अपनाया था। डीए के कार्यालय प्रवक्ता डेनिएल फिल्सन ने कहा, न्यूयॉर्क के 12 लोगों की एक जूरी ने तेजी से और सर्वसम्मति से डोनाल्ड ट्रंप को 34 गुंडागर्दी के मामलों में दोषी ठहराया। बता दें कि ट्रंप को 2016 के राष्ट्रपति चुनाव से ठीक पहले पोर्न अभिनेता स्टॉर्मी डेनियल्स को 130000 अमेरिकी डॉलर के गुप्त भुगतान को छुपाने के लिए व्यावसायिक रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के 34 मामलों में मई में दोषी ठहराया गया था।

हिंदू संगठन ने डोनाल्ड ट्रंप का किया समर्थन, कहा- कमला हैरिस भारत-अमेरिका संबंधों के लिए ठीक नहीं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक हिंदू संगठन ने आगामी राष्ट्रपति चुनाव में कमला हैरिस के बजाय डोनाल्ड ट्रंप को समर्थन देने का एलान किया है। हिंदू संगठन ने दावा किया है कि कमला हैरिस अगर राष्ट्रपति चुनी जाती हैं तो भारत और अमेरिका के संबंध अस्थिर हो सकते हैं। हिंदू संगठन ने पेंसिल्वेनिया, जॉर्जिया और नॉर्थ कैरोलिना जैसे राज्यों में ट्रंप के पक्ष में मतदाताओं को एकजुट करना भी शुरू कर दिया है।

हिंदूज फॉर अमेरिका फर्स्ट संगठन ने ट्रंप का समर्थन किया : गुरुवार को अमेरिका के हिंदू संगठन हिंदूज फॉर अमेरिका फर्स्ट के अध्यक्ष और संस्थापक उत्सव संदुजा ने कहा कि चिंता इस बात की है कि अगर कमला हैरिस राष्ट्रपति चुनी जाती हैं तो वह हो सकता है कि सुप्रीम कोर्ट में कुछ ऐसे उदारवादी लोगों की नियुक्ति कर सकती हैं, जिनके फैसलों का एशियाई-अमेरिकी लोगों पर असर पड़ सकता है। बता दें कि कमला हैरिस एक उदारवादी नेता हैं और उनका झुकाव वामपंथ की तरफ है। इसे लेकर डोनाल्ड ट्रंप भी कई बार चेतावनी दे चुके हैं कि कमला हैरिस अगर राष्ट्रपति चुनी गईं तो वह अप्रवासन नीति पर उदार रुख अपना सकती हैं।

अवैध अप्रवासियों के मुद्दे पर बाइडन-हैरिस प्रशासन को घेरा : संदुजा ने कहा कि बाइडन-हैरिस प्रशासन ने सीमा की सुरक्षा के लिए कुछ नहीं किया।

कमला हैरिस प्रशासन में दूसरे स्थान पर थीं, लेकिन उन्होंने अवैध अप्रवासन को रोकने के लिए कुछ नहीं किया। अवैध अप्रवासन के चलते ही अपराध में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। साथ ही ड्रग तस्करी आदि की घटनाएं भी बढ़ी हैं। इसका सीधा असर अल्पसंख्यक समुदाय पर हो रहा है। खासकर एशियाई-अमेरिकी बिजनेस इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। संदुजा ने ट्रंप की तारीफ की और अवैध अप्रवासन को रोकने के लिए ट्रंप की नीति का समर्थन किया। संदुजा ने कहा कि ट्रंप, भारत समर्थक हैं और उनके प्रधानमंत्री मोदी के साथ भी संबंध काफी अच्छे रहे। ट्रंप के कार्यकाल में दोनों देशों के बीच कई अहम रक्षा और तकनीक में सहयोग समझौते हुए। वहीं कमला हैरिस ने भारत और भारत के लोगों को लेकर कई आपत्तिजनक बयान दिए हैं, लेकिन ट्रंप ने भारत के अंदरुनी मामलों में कभी दखल नहीं दिया।

पाकिस्तान में 2.5 करोड़ बच्चे स्कूल नहीं जा रहे, इनमें 1.88 करोड़ ग्रामीण इलाकों से, 53 प्रतिशत लड़कियां स्कूली शिक्षा से मोहताज

इस्लामाबाद, एजेंसी। पड़ोसी देश पाकिस्तान आर्थिक संकट के साथ-साथ एक गंभीर शिक्षा संकट का भी सामना कर रहा है। पाकिस्तान में 5 से 16 साल की उम्र के तकरीबन 2.53 करोड़ बच्चे स्कूल नहीं जा रहे हैं। ये आंकड़ा देश के कुल स्कूल जाने योग्य बच्चों की आबादी का 36 प्रतिशत है। इसमें सबसे बदतर हालात ग्रामीण इलाकों के हैं। इस बात का खुलासा 'द मिसिंग थर्ड ऑफ पाकिस्तान' नाम की रिपोर्ट में हुआ है। इस रिपोर्ट को पाक अलायंस फॉर मैथ्स एंड साइंस ने 2023 के जनगणना के आंकड़ों के आधार पर तैयार किया है। इस रिपोर्ट ने 'पाकिस्तान में स्कूलों से बाहर बच्चों'की चौंकाने वाली स्थिति पर फोकस किया है। रिपोर्ट ने पाकिस्तान के ऐजुकेशन सिस्टम की अहम खामियों को उजागर किया है। इसमें बताया गया है कि पाकिस्तान के 74 प्रतिशत बच्चे ग्रामीण इलाकों में रहते हैं। इन इलाकों में स्कूलों तक पहुंच की कमी, गरीबी और सामाजिक समस्याओं की वजह से बच्चों को स्कूल तक लाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। 5 से 9 साल के बच्चों पर सबसे ज्यादा असर रिपोर्ट बताती है कि शिक्षा संकट का सामना सबसे ज्यादा 5 से 9 साल के बच्चे कर रहे हैं। इनमें से 51 प्रतिशत ने कभी स्कूल में एडमिशन ही नहीं लिया। वहीं तकरीबन 50 प्रतिशत बच्चे स्कूल से बाहर हो चुके हैं या अब स्कूल नहीं जा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इस शिक्षा संकट का पाकिस्तान की साक्षरता दर पर लंबे समय तक असर देखने को मिलेगा। दूसरी तरफ ग्रामीण इलाकों में एडमिशन में देरी की एक प्रमुख वजह आर्थिक परिस्थितियां हैं, जिसकी वजह से बच्चे स्कूल नहीं पहुंच पाते हैं। वहीं लिंगानुपात इस समस्या को और अधिक बढ़ा रहा है। रिपोर्ट में

बताया गया है कि स्कूल न जाने वालों में 53 प्रतिशत लड़कियां हैं। ग्रामीण इलाकों में ये समस्या ज्यादा बड़ी है। यहां महिला साक्षरता दर पहले से ही कम है। ग्रामीण इलाकों में 80प्रतिशत लड़कियां कभी स्कूल नहीं गई इस रिपोर्ट ने खुलासा किया है कि पाकिस्तान के ग्रामीण इलाकों में 5 से 16 की 80 प्रतिशत लड़कियों ने कभी स्कूल में एडमिशन ही नहीं लिया। ये आंकड़ा ऐजुकेशन सिस्टम में लैंगिक असमानता को दर्शाता है। शहरी क्षेत्र जो अक्सर शिक्षा के लिहाज से बेहतर समझे जाते हैं, उन क्षेत्रों में भी यह समस्या दिखाई पड़ती है। कराची और लाहौर जैसे बड़े शहरों में कैपिटल सिटी होने की वजह से शिक्षा के लिए बेहतर संसाधन उपलब्ध है। फिर भी इन शहरों में स्कूल न जाने वाले बच्चों की संख्या ज्यादा है। कराची में 18 लाख बच्चों का स्कूल में नामांकन ही नहीं है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टैक्स पैयर्स की भी हो जातिगत गणना, सभी राज्यों में चलेगा अभियान

-सीटीआई ने पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर की मांग

नई दिल्ली। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मांग की है कि टैक्स पैयर्स की भी जातिगत गणना होनी चाहिए। सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल और अध्यक्ष सुभाष खंडेलवाल ने कहा कि जातिगत सर्वे के साथ यह डेटा भी जुटाना चाहिए कि किस जाति के लोग कितना टैक्स सरकार को देते हैं।

सीटीआई के अध्यक्ष बृजेश गोयल ने बताया कि इस मुद्दे को लेकर पीएम मोदी को पत्र लिखा गया है। सीटीआई की तरफ से सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भी पत्र भेजा जाएगा। इसके पीछे सीटीआई का मकसद है कि लोगों को पता चलना चाहिए कि अर्थव्यवस्था चलाने में किस जाति के लोगों की कितनी भूमिका है? कौन सबसे ज्यादा टैक्स देता है? क्या सरकार उनके हितों को ध्यान में रखकर नीति बनाती है?

सीटीआई महासचिव विष्णु भार्गव और गुरमीत अरोड़ा ने बताया कि सरकार के पास इनकम टैक्स और जीएसटी संबंधी सभी तरह का डेटा है। करदाताओं की सूची भी जाति आधारित जारी होनी चाहिए। आज तक यह पता नहीं चल पाया कि कौन सी जाति सरकार को कितना राजस्व देती है? जो भी जाति सबसे अधिक राजस्व देती है, उसके लिए भी नीतियां, बीमा, पेंशन, मेडिकल सुविधाएं होनी चाहिए। सीटीआई के अध्यक्ष बृजेश गोयल के मुताबिक इस पहल को देश के अलग-अलग व्यापारी संगठनों का समर्थन मिल रहा है। वह इस पूरे मुद्दे को लेकर देशभर के अलग-अलग राज्यों में व्यापारियों के साथ मिलकर अभियान भी चलाएंगे। बृजेश गोयल ने कहा कि ट्रेडर्स कम्युनिटी में इस पर जोरों की चर्चा चल रही है, हजारों व्यापारियों ने सीटीआई की इस मांग का समर्थन किया है।

लखनऊ बिल्डिंग हादसे में मरने वालों की संख्या 8 हुई, रक्षा मंत्री ने जताया दुख, जिलाधिकारी से की बात

लखनऊ। बीते रोज सरोजनी नगर थाना क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर में तीन मंजिला बिल्डिंग गिर गई। इस हादसे में मरने वालों की संख्या 8 हो गई है। मलवे में दबे लोगों को निकाला जा रहा है जिसमें अधिकांश मृत निकल रहे हैं। इसलिए मृतकों का आंकड़ा बढ़ सकता है। जबकि 28 से अधिक लोग घायल हुए हैं। घटना को लेकर लखनऊ के सांसद और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, लखनऊ में एक भवन के गिरने से हुई दुर्घटना का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। मैंने लखनऊ के जिलाधिकारी से फोन पर बातचीत करके हालात की जानकारी ली है। स्थानीय प्रशासन मौके पर राहत एवं बचाव कार्य कर रहा है और पीड़ितों की हरसंभव मदद में जुटा है।वहीं हादसे पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी संज्ञान लिया।

सीएम योगी के निर्देश पर एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर रवाना की गईं। सीएम ने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंच कर राहत कार्य में तेजी लाने और घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की।

राहत आयुक्त जीएस नवीन कुमार ने बताया कि बचाव अभियान के दौरान राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम ने तीन और लोगों-राज किशोर (27), रुद्र यादव (24) और जगरूप सिंह (35) के शव बरामद किए। इसके साथ ही इस हादसे में मरने वालों की तादाद बढ़कर आठ हो गई। कुमार के मुताबिक, इमारत ढहने की घटना में पंकज तिवारी (40), धीरज गुप्ता (48), अरुण सोनकर (28), राज किशोर (27) और जसमीत सिंह (41) की मौत की पुष्टि शनिवार को ही हो गई थी। दुर्घटना में पांच महिलाओं समेत 28 लोग घायल हुए हैं। कुमार ने बताया कि मलबे के नीचे कोई और न दबा हो, यह सुनिश्चित करने के लिए बचाव अभियान अब भी जारी है। पुलिस के अनुसार, इमारत करीब चार साल पहले बनाई गई थी और वर्तमान में वहां कुछ निर्माण कार्य हो रहा था। शनिवार शाम करीब 4.45 बजे यह हादसा तब हुआ, तब ज्यादातर पीड़ित भूतल पर काम कर रहे थे।

वहीं, डॉ राजीव दीक्षित का कहना है कि 28 लोग घायल हालात में लाए गए थे, जिनमें से चार की मौत हो गई।

ममता को झटका: कोलकाता हत्याकांड से दुखी टीएमसी सांसद ने दिया इस्तीफा

एक्स पर लिखा-न्याय के लिए लोगों का साथ देने के लिए छोड़ रहा राजनीति

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद जवाहर सरकार ने राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। इसके साथ ही उन्होंने राजनीति छोड़ने का भी ऐलान कर दिया है। जवाहर ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी को पत्र लिखकर इस फैसले की जानकरी दी। उन्होंने पत्र में आरजी कर अस्पताल में हुई घटना का जिक्र भी किया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि घटना को लेकर सरकार के कदम अपर्याप्त हैं, जिससे वह बहुत आहत हैं जिसकी वजह से वह पार्टी से इस्तीफा दे रहे हैं। जवाहर ने रविवार को एक्स पर अपने पत्र को साझा करते हुए लिखा- मैं मुख्य रूप से आरजी कर अस्पताल में हुई भयानक रेप-हत्या मामले के बाद जन आंदोलन को पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा गलत तरीके से संभालने के कारण सांसदी से इस्तीफा दे रहा हूं। उन्होंने आगे लिखा कि राजनीति भी छोड़ रहा हूं, न्याय के लिए लोगों के संघर्ष में उनके साथ खड़ा होने के लिए। मूल्यों के प्रति मेरी प्रतिबद्धता अपरिवर्तित है। उन्होंने लिखा मुझे लगता है कि अगर भ्रष्ट डॉक्टरों के गुट को ध्वस्त कर दिया जाता और इस निंदनीय घटना के तुरंत बाद अनुचित प्रशासनिक कार्रवाई करने वालों को दंडित किया जाता तो राज्य में सामान्य स्थिति बहाल हो सकती थी। मेरा मानना है कि आंदोलन की मुख्यधारा गैर-राजनीतिक और स्वतःस्फूर्त है और इसे राजनीतिक बताकर टकराव का रुख अपनाना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि बेशक विपक्षी दल मुश्किल हालात का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन युवा और आम लोग जो हर दूसरे दिन सड़कों पर आंदोलन कर रहे हैं, उन्हें प्रोत्साहित नहीं करते। वे राजनीति नहीं चाहते हैं, वे न्याय और सजा चाहते हैं। यह आंदोलन जितना अभय के पक्ष में है, उतना ही राज्य सरकार और पार्टी के खिलाफ भी है। इसके लिए तुरंत सुधार की जरूरत है, नहीं तो सांप्रदायिक ताकतें इस राज्य पर कब्जा कर लेंगी।

ट्रेनी डॉक्टर हत्याकांड मामले के बाद ममता सरकार जागी

- राज्य के सभी अस्पतालों से रेजिडेंट डॉक्टरों की मांगी जानकारी

कोलकाता।

पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विभाग ने एक अधिसूचना जारी कर राज्य के मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों से सभी रेजिडेंट डॉक्टरों की जानकारी मांगी है। विभाग ने जो जानकारी मांगी उसमें पंजीकरण संख्या, आधार और पैन नंबर, मोबाइल नंबर और उनके शैक्षणिक रिकॉर्ड का विवरण शामिल है। रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर और सीनियर रेजिडेंट के पद ऐसे पद हैं जिन पर तैनात डॉक्टरों को अस्पताल की ड्यूटी के अलावा निजी प्रैक्टिस करने की इजाजत नहीं है। राज्य स्वास्थ्य विभाग ने जानकारी मांगने के पीछे के कारण का खुलासा नहीं किया है, लेकिन पिछले महीने सरकारी आरजी कर अस्पताल परिसर में एक ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए हुई दुष्कर्म और हत्या के विरोध में जारी प्रदर्शनों के बीच हलचल मचा दी है। जानकारी के मुताबिक यह अधिसूचना विशेष रूप से बहुत अहम है, क्योंकि हाल ही में दो सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों से जुड़े दो रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर और एक सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर को निलंबित कर दिया था। ये तीनों डॉक्टर पश्चिम बंगाल मेडिकल काउंसिल के विवादास्पद पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के करीबी बताए गए थे। आरजी कर में वित्तीय अनियमितताओं के मामले में कथित संबंधों के कारण घोष सीबीआई की हिरासत में हैं। निलंबित किए तीनों डॉक्टरों में बर्दवान मेडिकल कॉलेज के रेडियो डायग्नोसिस विभाग के पूर्व रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर अविक डे, उसी अस्पताल के पैथोलॉजी विभाग से जुड़े पूर्व वरिष्ठ रेजिडेंट डॉक्टर डॉ. बिरुपाक्ष बिस्वास और मिदनापुर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर मुस्तफिजुर रहमान मलिक शामिल हैं। इस जघन्य रेप और हत्या मामले पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होना है।

झोलाछाप डॉक्टर का कारनामा, गर्भवती को ऑटो में बैठाकर गड्ढों में घुमाया

नॉर्मल डिलीवरी के लिए लगाए आठ इंजेक्शन, नवजात की मौत, मामला दर्ज

गाजीपुर। यूपी के गाजीपुर जिले में स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के चलते एक झोलाछाप डॉक्टर ने गर्भवती महिला की नॉर्मल डिलीवरी के लिए एक के बाद एक कर आठ इंजेक्शन लगा दिए और फिर एक घंटे तक महिला को ऑटो में बैठाकर गड्ढों वाली सड़कों पर घुमाया। इसके बाद भी महिला की नॉर्मल डिलीवरी नहीं हुई तो महिला को दूसरे अस्पताल जाने को कह दिया। दूसरे अस्पताल में महिला की ऑपरेशन से डिलीवरी करवाई गई तो नवजात की मौत हो चुकी थी। मामला खुदाबख्शपुर गांव की रहने वाली अनीता देवी को प्रसव पीड़ा के बाद छतमा गांव के एक क्लीनिक ले जाया गया। जहां डॉक्टर डीके गौतम ने प्रसव कराने के नाम पर गर्भवती महिला को आठ इंजेक्शन लगा दिए। उसके बाद भी प्रसव पीड़ा नहीं होने पर डॉक्टर ने ऑटो में प्रसूता को लिटाकर एक घंटे तक शहर की गड्ढे वाली सड़कों पर ऑटो चलवाया। उसने कहा कि गड्ढों में हिचकोले खाने के बाद प्रेशर बनेगा और नार्मल डिलिवरी हो जाएगी, लेकिन शाम तक जब डिलीवरी नहीं हुई तो उसने अपने ही पहचान के हरदासपुर खुर्द में बिना रजिस्ट्रेशन चल रहे जीवनदीप हेल्थ केयर सेंटर में भेज दिया। यहां डॉक्टर कमलेश चौहान ने पहले नॉर्मल डिलीवरी करने को कहा और पास की ही किसी झोलाछाप महिला डॉक्टर को बुलाकर नॉर्मल डिलीवरी करवाने लगा, फिर ज्यादा स्थिति बिगड़ता देख आधी रात को ऑपरेशन करने की बात कहते हुए 25 हजार रुपए की मांग की। जब डॉक्टर ने जच्चा-बच्चा दोनों को स्वस्थ रखने का भरोसा दिया तो परिजन ऑपरेशन कराने को राजी हो गए। रात दो बजे ऑपरेशन के बाद लड़का पैदा हुआ, लेकिन कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई। अस्पताल के कर्मचारियों ने पहले तो प्रसूता से नवजात के मौत की जानकारी छिपाई फिर उसे दूसरे अस्पताल में इलाज के लिए भेज दिया, लेकिन अस्पताल में भीड़ होने पर प्रसूता को इस घटना की जानकारी हो गई। प्रसूता की हालत बिगड़ने पर एम्बुलेंस से महिला जिला अस्पताल भेजा गया। इस मामले में परिजनों ने पुलिस में केस दर्ज कराया है। एसपी केपी सिंह ने बताया कि नवजात के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सीबीआई ने संदीप घोष के बॉडीगार्ड को किया गिरफ्तार, उठे कई सवाल

नई दिल्ली। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष लगातार सवालों के घेरे में हैं। उनपर वित्तीय अनियमितता के भी आरोप हैं, जिसकी जांच सीबीआई कर रही है। इस मामले में सीबीआई ने संदीप घोष के करीबी और बॉडीगार्ड अफसर अली को गिरफ्तार किया है। सोशल मीडिया पर अफसर का एक वीडियो भी वायरल हुआ था जिसमें वह तत्कालीन आरजी कर प्रिंसिपल डॉ. मनास बनर्जी को धमकाते हुए दिखे थे। इस वीडियो में वह कहते नजर आते थे कि उनके मुख्यमंत्री से अच्छे संबंध है। जानकारी के मुताबिक अफसर को राज्य सरकार द्वारा अस्पताल में अतिरिक्त सचिव के नियुक्त किया गया था, लेकिन बाद में वह डॉ. संदीप घोष के बॉडीगार्ड के रूप में शामिल हो गए लेकिन अब सवाल उठ रहे हैं कि आखिर सीबीआई ने उन्हें क्यों गिरफ्तार किया? कथित भ्रष्टाचार में उनकी भूमिका क्या थी? सीबीआई सूत्रों का दावा है कि डॉ. संदीप घोष ने अपने करीबी सहयोगी अफसर अली खान को आरजी कर अस्पताल के कैंपस में एक कैफे के ठेके के आवंटन में तरजीह दी थी। यह ठेका अस्पताल और एम एस एहसान कैफे के बीच साइन किया गया था। अफसर की पत्नी नर्गिस इस फर्म की मालिक हैं। अफसर इस फर्म का प्रबंधन करते थे। सीबीआई का कहना है कि संदीप घोष के साथ करीबी संबंध के कारण यह ठेका अफसर को दिया गया था। सूत्रों के मुताबिक डॉ. संदीप घोष ने बॉडीगार्ड की पत्नी नरगिस की फर्म को नॉन-रिफंडेबल कॉशन मनी भी लौटा दी थी। सीबीआई का दावा है कि कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच में खुलासा हुआ कि संदीप घोष ने अफसर के अलावा उनके करीबी सहयोगी बिप्लब सिंघा और सुमन हजरा को भी अस्पताल में नियम के खिलाफ जाकर ठेके दिलाए हैं। बता दें संदीप घोष को सीबीआई ने गिरफ्तार किया है। संदीप के घर समेत करीब 15 जगहों पर सीबीआई ने छापेमारी की थी। कई महत्वूर्ण दस्तावेज मिले थे। बता दें कि संदीप घोष पर आरजी कर के एक पूर्व अधिकारी ने भी तस्करी और गुंडागर्दी समेत कई संगीन आरोप लगाए थे।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 41 आईएएस को किया इधर से उधर

पटना। बिहार सरकार ने बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल हुए हैं। 41 आईएएस अधिकारियों का तबादला किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक जिन अधिकारियों का तबादला किया गया है, उनमें अधिकांश कई जिलों के जिलाधिकारी (डीएम) हैं। अधिसूचना के मुताबिक भोजपुर के जिलाधिकारी राजकुमार को बिहार राज्य सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ (कॉम्फेड) का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है, जबकि शिवहर के डीएम पंकज कुमार को शिक्षा विभाग में निदेशक (प्राथमिक शिक्षा), खान एवं भूतत्व विभाग के निदेशक मोहम्मद नैयर इकबाल को विशेष सचिव के रूप में खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग में भेजा गया है। वहीं, जमुई के डीएम राकेश कुमार को भूमि अभिलेख एवं सर्वेक्षण निदेशालय में निदेशक (चकबंदी), शिक्षा विभाग में निदेशक (मध्याह्न भोजन) मिथलेश मिश्रा को लखीसराय का डीएम, पंचायती राज विभाग में उपनिदेशक विद्यानंद सिंह को योजना विभाग में निदेशक, बेगुसराय के डीएम रोशन कुशवाहा को समस्तीपुर का डीएम बनाया गया है तो वहीं, शेखपुरा की डीएम जे प्रियदर्शनी को राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में निदेशक के पद पर नियुक्त किया गया है।

बदमाश होटल में घुसे और बरसाई गोलियां, मांगी पांच करोड़ की फिरौती

नीमराणा। नीमराणा हाइवे किंग होटल पर रविवार को हथियारबंद हमलावरों ने गोलिया बरसाकर सात दुकानों को नुकसान पहुंचाया। इस दौरान उन्होंने पांच करोड़ की फिरौती मांगी। यह घटना रविवार तड़के 4 बजे की बताई है। जानकारी के मुताबिक रविवार तड़के दो बाइक सवार बदमाश हाइवे किंग होटल पर आए। दोनों बदमाश हथियारों से लैस थे। हथियारबंद बदमाश होटल में घुसे और दुकानों पर फायरिंग शुरु कर दी। एक बदमाश होटल के सीसीटीवी कैमरे में फायरिंग करता दिखाई दे रहा है। बदमाशों ने पांच करोड़ रुपए की फिरौती मांगी। बदमाशों ने कहा कि अगर होटल चलाना है तो फिरौती देनी होगी। बदमाश हरियाणा के बताए जा रहे हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी के आधार पर बदमाशों की तलाश शुरु कर दी है।

पांडवों की तरह हुड्डा परिवार को देश कभी माफ नहीं करेगा

-बीजेपी नेता बृजभूषण शरण सिंह ने दिया विवादित बयान

गोंडा। गोंडा में बीजेपी नेता और महिला पहलवानों के छेड़छाड़ के करने के आरोपों का सामना कर रहे बृजभूषण शरण ने अब एक और विवाद में घिरते नजर आ रह हैं। बृजभूषण ने एक विवादित बयान दिया है। बृजभूषण सिंह ने कहा कि महाभारत में पांडवों ने द्रौपदी को दांव पर लगाया था। इसके लिए देश ने उन्हें कभी माफ नहीं किया। इसी तरह से हुड्डा परिवार हमारी बहन-बेटियों के साथ खेल रहा है। भविष्य में उन्हें भी कभी माफी नहीं किया जाएगा। वह हमेशा इसके लिए दोषी रहेंगे। इसके अलावा उन्होंने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज किया और कहा कि तीनों घटनाओं के समय वे मौके पर मौजूद नहीं थे। बता दें कि विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। इसके बाद बीजेपी नेता बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि 18 जनवरी 2023 को जब जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ था, तब मैंने कहा था कि यह खिलाड़ियों का आंदोलन नहीं है इसके पीछे कांग्रेस है, खासकर भूपेंद्र हुड्डा, दीपेंद्र हुड्डा, प्रियंका गांधी और राहुल गांधी। जब दोनों पहलवानों ने कांग्रेस ज्वॉइन की तो यह बात भी साबित हो गई। बता दें कि महिला पहलवानों द्वारा बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए गए थे। इसे लेकर महिला पहलवानों सहित कई पहलवानों ने दिल्ली में धरना भी दिया था।

जयशंकर दो दिवसीय दौरे पर सऊदी अरब पहुंचे, विदेश मंत्रियों की बैठक में लेंगे भाग

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर रविवार को सऊदी अरब पहुंचे। विदेश मंत्री पहली भारत-खाड़ी सहयोग परिषद की विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होने रियाद गए हैं। सऊदी अरब के प्रोटोकॉल मामलों के उपमंत्री अब्दुल मजीद अल स्मारी ने जयशंकर का स्वागत किया। जयशंकर की यह यात्रा दो दिवसीय है। जयशंकर ने एक्स पोस्ट पर इसकी जानकारी दी। बता दें कि भारत और सऊदी अरब के बीच रक्षा सहयोग पर संयुक्त समिति (जेसीसी) की छठी बैठक चार सितंबर को आयोजित की गई थी। दोनों देशों ने लंबे समय से चले आ रहे बहुआयामी रक्षा सहयोग को और मजबूत करने नए अवसरों पर बातचीत की। सैन्य, प्रशिक्षण, रक्षा उद्योग, अनुसंधान एवं विकास आदि क्षेत्रों में सहयोग के दायरे बढ़ाने के लिए विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। भारत और सऊदी अरब के बीच सदियों पुराने आर्थिक एवं सामाजिक-सांस्कृतिक संबंधों पर आधारित मैत्रीपूर्ण और सौहार्दपूर्ण संबंध हैं। संयुक्त रक्षा सहयोग समिति रक्षा सहयोग के उद्देश्यों को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन के तहत एक संस्थागत तंत्र है।

चिराग पर नकेल कसने की तैयारी: चाचा पारस को जल्द बनाया जा सकता है राज्यपाल

पटना। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान केंद्र सरकार के कई कई महत्वपूर्ण फैसलों पर सवाल खड़ा कर चुके हैं। चिराग ने केंद्र सरकार के महत्वपूर्ण फैसले जैसे कि वक्फ बिल और सरकारी नौकरी में लैटरल एंट्री का विरोध किया था। साथ ही सुप्रीम कोर्ट के अनुसूचित जाति और जनजाति कोटा में सब कैटिगरी और क्रीमी लेयर को चिन्हित करने के फैसले का भी विरोध किया था। चिराग के इन सभी कदम से बीजेपी जाहिर तौर पर असहज महसूस कर रही थी। इसी कारण से चिराग को नियंत्रित करने के लिए उनके चाचा, जिससे उनकी पुरानी अदावत है का राजनीतिक तौर पर एक्टिवेट किया जा रहा है। पशुपति पारस का कद बढ़कर बीजेपी चुनाव पासवान को स्पष्ट संदेश देना चाहती है कि चिराग पासवान केंद्र सरकार के महत्वपूर्ण फैसलों में ज्यादा दखलअंदाजी ना करें।

चिराग के बयानों को देखते हुए अब बीजेपी उन पर लगाम लगाने की तैयारी में है और उनके चाचा पशुपति पारस को अब एक बार फिर से एनडीए में तरजीह दी जा सकती है। माना जा रहा है कि पशुपति पारस, जो पिछले कुछ महीनो से राजनीति में हाशिए पर पड़े हैं उन्हें जल्द ही किसी राज्य का राज्यपाल या फिर किसी महत्वपूर्ण केंद्रीय बोर्ड का अध्यक्ष बनाया जा सकता है। बीजेपी अगर पशुपति पारस का कद बढ़ाकर उन्हें किसी राज्य का राज्यपाल या किसी केंद्रीय बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त करती है तो जाहिर सी बात है कि पशुपति पारस का कद बढ़ने से वह चिराग पासवान के बराबर आ जाएंगे और फिर भाजपा पशुपति पारस के जरिए चिराग पर नियंत्रण रखना चाहती है।

पशुपति पारस पिछले कुछ महीनो से राजनीति में हाशिए पर पड़े हुए हैं। 2024 लोकसभा चुनाव में एनडीए में रहते हुए भी बीजेपी ने उन्हें बिहार में एक भी सीट लड़ने को नहीं दी जिसको लेकर पशुपति पारस ने अपनी नाराजगी व्यक्त की थी मगर फिर भी वह एनडीए में बने हुए हैं।

पिछले दिनों पशुपति पारस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी दिल्ली में मुलाकात की थी जिसके बाद इस बात को बल मिला कि जल्द ही पारस का कद बढ़ाया जा सकता है और उन्हें किसी राज्य का राज्यपाल या केंद्रीय बोर्ड का अध्यक्ष बनाया जा सकता है।

पीएफआई की साजिश के तहत बढ़ रही है हरिद्वार की जनसंख्या: मंत्री गिरिराज सिंह

पटना। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के एनआरसी वाले बयान पर अभी बवाल शांत भी नहीं हुआ था कि उन्होंने एक बार फिर से हरिद्वार में बढ़ती जनसंख्या से जुड़ी बड़ी बात कही है। गिरिराज सिंह ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर हरिद्वार में बढ़ी जनसंख्या के पीछे की मुख्य वजह पीएफआई की साजिश को बताया है गिरिराज सिंह ने अपने पोस्ट में आंकड़ों का जिक्र करते हुए बताया कि किस तरह से मुस्लिम आबादी बढ़ी है और यह एक तरह से पीएफ़आई की बड़ी साजिश के तहत किया जा रहा है। गिरिराज सिंह ने सोशल मीडिया पर लिखा- भारत के सभी सनातनियों-तथाकथित सेक्युलरों-हरिद्वार की जनसंख्या नहीं बढ़ी है, बल्कि यह पिछले कुछ समय से पीएफआई जैसे संगठनों द्वारा बढ़ाई गई है। क्या हरि का द्वार इस इस बुरी नज़र से बच पाएगा?

गिरिराज सिंह ने अपने पोस्ट के जरिये हरिद्वार में बढ़ती जनसंख्या को आंकड़ों के आधार पर समझाने की कोशिश की है। गिरिराज सिंह के पोस्ट के अनुसार हरिद्वार में जहां हिन्दू आबादी में 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं मुस्लिम आबादी में 39 प्रतिशत का ग्रोथ रेट है। 2011 के जनगणना के अनुसार हरिद्वार की कुल जनसंख्या 18900422 थी, जिसमें हिंदुओं की आबादी 64.27 प्रतिशत थी वहीं मुस्लिमों की आबादी 34.28 प्रतिशत थी। सिखो की जनसंख्या 0.92 प्रतिशत और ईसाई लोगों की जनसंख्या 0.26 प्रतिशत थी। गिरिराज सिंह ने अपने पोस्ट के जरिये साफ-साफ पर मुस्लिमों की बढ़ती आबादी के पीछे की वजह को पीएफआई की साजिश को बताया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पर्युषण पर्वाधिराज का शिखर दिवस भगवती संवत्सरी, पूरे दिन बही धर्म व अध्यात्म की गंगा

क्रांति समय | सूरत, जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के एकादशमाधिशास्ता, भगवान महावीर के प्रतिनिधि, अहिंसा यात्रा प्रणेता, युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी का चतुर्मास स्थल संयम विहार में श्रद्धालुओं की विराट उपस्थिति से जनाकीर्ण. भगवती संवत्सरी का पूर्ण लाभ उठाने को सूर्योदय से पूर्व तथा पर्युषण के प्रारम्भ से उपस्थित श्रद्धालुओं से पूरा परिसर आध्यात्मिक नगरी की भांति प्रतीत हो रहा था. आधुनिक और भौतिकता के इस दौरान में आध्यात्मिकता की दिशा में आगे बढ़ने की ऐसी भावना मानों अध्यात्म जगत के देदीप्यमान महासूर्य महाश्रमण की मंगल सन्निधि के प्रभाव को दर्शा रहा था.

वैसे तो देश भर में भगवती संवत्सरी का आध्यात्मिक महापर्व मनाया जा रहा होगा, किन्तु ऐसा नयनाभिराम दृश्य कहीं अन्यत्र देखने को शायद ही मिले. रविवार को सूर्योदय के पूर्व से ही पर्वाधिराज के शिखर भगवती संवत्सरी के लिए बाल से लेकर वृद्ध तक उत्साहित नजर आ रहे थे. महावीर समवसरण में प्रातः सात बजे ही आध्यात्मिक कार्यक्रम का शुभारम्भ हो गया था.

प्रातः दस बजे तेरापंथ धर्मसंघ के देदीप्यमान महासूर्य आचार्यश्री महाश्रमणजी जब महावीर समवसरण के मध्य उदित हुए तो जनाकीर्ण प्रवचन पण्डाल ही नहीं, पूरा वातावरण जयघोष से गुंजायमान हो उठा. भगवती संवत्सरी के कार्यक्रम का शुभारम्भ तेरापंथाधिशास्ता के महामंत्रोच्चार के साथ हुआ. साध्वीवर्या साध्वी सम्बुद्धयशाजी ने 'आत्मा की पोथी पढ़ने..' गीत का संगान किया.

भगवती संवत्सरी के अवसर पर तेरापंथ धर्मसंघ के वर्तमान अधिशास्ता ने सम्पूर्ण तेरापंथ

धर्मसंघ को पावन पाथेय प्रदान करते हुए कहा कि धर्म को उत्कृष्ट मंगल बताया गया है. धर्म की आराधना का क्रम भी दुनिया में चलता है. ऐसा कोई ऐसा समय नहीं होता, जब पूरी दृष्टि में कहीं न कहीं धर्म की आराधना नहीं होती. धर्म की आराधना साधु भी करते हैं और गृहस्थ भी करते हैं. कुछ-कुछ समय विशेष साधना के लिए भी होते हैं. जैन शासन के श्वेताम्बर परंपरा में पर्युषण महापर्व के अंतर्गत भगवती संवत्सरी का दिन विशेष धर्माराधना का दिन होता है.

आज चारित्रात्माओं के लिए चौविहार उपवास का दिन होता है. हमारी धार्मिक परंपरा में भगवती संवत्सरी से बढ़कर कोई दिन नहीं होता. धर्म की आराधना का यह उत्कृष्ट दिन होता है. यह क्षमा का पर्व है, मैत्री से जुड़ा हुआ है. पिछली सारी कटुताओं को धो डालने का अवसर होता है. और भी अपने पाप-दोषों को प्रतिक्रमण के दिन शुद्धि का प्रयास किया जाता है. आज सायंकालीन होने वाले प्रतिक्रमण में चालीस लोगस्स का ध्यान करणीय होता है. आचार्यश्री ने इस संदर्भ में गीत का आंशिक संगान भी किया.

भगवान महावीर के प्रतिनिधि आचार्यश्री महाश्रमणजी ने 'भगवान महावीर की अध्यात्म यात्रा' को भी शिखर पर पहुंचाते हुए अंतिम भव में त्रिशला के गर्भ से चैत्र शुक्ला त्रयोदशी को एक पुत्र को जन्म दिया. जन्मोत्सव मनाया गया. जन्म के बारहवें दिन नामकरण के लिए स्वजन एकत्रित हुए. पिता सिद्धार्थ बोले कि जब से बालक गर्भस्थ हुआ तब से हमारे राज्य में सभी प्रकार की वर्धमानता हो रही है तो मेरे इस बालक का नाम वर्धमान होना चाहिए. वर्धमान अब समय के साथ शारीरिक रूप से भी प्रवर्धमान होने लगे. उनमें बचपन से ही निर्भीकता थी. उन्हें पढ़ने के लिए गुरुकुल में भेजा गया, लेकिन वे शीघ्र ही गुरुकुल से वापस लौट आए. थोड़ी उम्र आने पर उनके माता-पिता ने उनकी शादी करा दी. बसंतपुर के राजा की पुत्री यशोदा के साथ वर्धमान का पाणीग्रहण (विवाह) हुआ. फिर उन्हें एक पुत्री भी हुई.

माता-पिता के देहावसान और भाई साहब की बात को मान लेने के बाद साधुपन स्वीकार किया और दीक्षा ग्रहण कर साधना के पथ पर आगे बढ़े. दीक्षा के पहले दिन ही परिषह का क्रम प्रारम्भ हुआ, जिसे इन्द्र द्वारा दूर किया गया और आगे सेवा में रहने का निवेदन किया गया, लेकिन उन्होंने उसे अस्वीकार्य कर दिया. अब भगवान महावीर आगे बढ़े. आगे चण्डकौशिक सर्प की भी स्थिति आई. उसका भी उद्धार किया. आचार्यश्री ने बीच में छह प्रहरी पौषध का प्रत्याख्यान कराया.

तदुपरान्त आचार्यश्री ने पुनः 'भगवान महावीर की अध्यात्म यात्रा' के क्रम को आगे बढ़ाते हुए कहा कि भगवान महावीर आगे बढ़े और शूलपाणी यक्ष के स्थान में रुके जहां उसने भी परिषह दिया, लेकिन भगवान महावीर को डिगा नहीं पाया. बारह वर्षों की साधना में अधिकतर उपवास में ही रहे. साढे बारह वर्षों की साधना का निष्पत्ति प्राप्त हुई और उन्हें केवल ज्ञान की प्राप्ति हो गई. उसके बाद भगवान महावीर ने जनकल्याण के लिए देशना आदि थी. और फिर पावापुरी में उनका महाप्रयाण हुआ. लगभग बहत्तर वर्ष का उनका आयुष्यकाल रहा. इस आचार्यश्री ने 'भगवान महावीर की अध्यात्म यात्रा' को सुसम्पन्न किया.

तदुपरान्त मुख्यमुनिश्री महावीरकुमारजी ने भगवती संवत्सरी महापर्व की महिमा का वर्णन किया. भगवान महावीर के ग्यारह गणधरों के विषय में साध्वी राजश्री ने अपनी प्रस्तुति दी. सायं करीब तीन बजे पुनः महावीर समवसरण में भगवान महावीर के प्रतिनिधि आचार्यश्री का शुभागमन हुआ. आचार्यश्री ने आज के दूसरे सत्र के मंगल प्रवचन में तेरापंथ धर्मसंघ के आद्य अनुशास्ता आचार्यश्री भिक्षु, द्वितीय अनुशास्ता आचार्यश्री भारमलजी स्वामी, आचार्यश्री रायचन्दजी स्वामी, आचार्यश्री श्रीमज्जयाचार्यजी, आचार्यश्री मघवागणी, आचार्यश्री माणकगणी, आचार्यश्री कालूगणी, आचार्यश्री तुलसी व आचार्यश्री महाप्रज्ञजी ने जीवन प्रसंगों को सरस वर्णन किया तो जनता निहाल हो उठी.

साध्वीप्रमुखा साध्वी विश्रुतविभाजी ने वर्तमान आचार्यश्री महाश्रमणजी के जीवनवृत्त व कर्तृत्व का वर्णन किया. मुख्यमुनिश्री महावीरकुमारजी ने आचार्य संपदा विषय पर चर्चा प्रदान की. साध्वी प्रबुद्धयशाजी द्वारा जैन धर्म की प्रभावक साध्वियों पर चर्चा की. इस प्रकार पूरे दिन धर्म व अध्यात्म की बहती इस ज्ञानगंगा में श्रद्धालु डुबकी लगाते रहे और अपने जीवन को धन्य बनाते रहे.

अडाजण में "साइबर संजीवनी 3.0" अभियान का शुभारंभ

क्रांति समय | सूरत, सूरत को साइबर सुरक्षित बनाने और सूरतवासियों को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाने के लिए सूरत शहर पुलिस और साइबर सुरक्षा सेतु के सहयोग से अडाजण स्थित संजीवकुमार ऑडिटोरियम में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल की प्रेरक उपस्थिति में गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी द्वारा "साइबर संजीवनी 3.0" अभियान का शुभारंभ किया गया. सूरतवासियों को साइबर क्राइम के प्रति जागरूक करने और सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री मुकेशभाई पटेल विशेष रूप से उपस्थित रहे.

इस अवसर पर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने कहा कि साइबर इंटेलिजेंस में तकनीक का बड़े पैमाने पर उपयोग हो रहा है, लेकिन इसके दुरुपयोग की घटनाएं भी बढ़ रही हैं. सूरत में हर क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ कार्य हो रहे हैं और विकास के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ते सूरत के लिए साइबर सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है. उन्होंने कहा कि सूरत पुलिस के प्रयासों से सूरत एक साइबर सेफ सिटी बनने की ओर अग्रसर है, जो अत्यंत सराहनीय है.

इसके अलावा उन्होंने कहा कि युवा, बुजुर्ग, और महिलाएं सोशल मीडिया के माध्यम से साइबर अपराध का शिकार हो रहे हैं, और कई बार यह इतनी गंभीर स्थिति हो जाती है कि लोग आत्महत्या करने को मजबूर हो जाते हैं. समाज के लिए यह चिंता का विषय है. उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि साइबर अपराध का शिकार होने पर खुलकर पुलिस को अपनी बात और सच्चाई बताएं ताकि पुलिस त्वरित कार्रवाई कर सके. नागरिक साइबर धोखाधड़ी की शिकायत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करके कर सकते हैं.

इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि तकनीक को समझकर उसका सही उपयोग करना ही प्रगतिशील सोच कहलाती है. असामाजिक तत्व सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को निशाना बना रहे हैं और समाज में गड़बड़ी फैला रहे हैं. साइबर अपराध को रोकने की यह लड़ाई केवल पुलिस की नहीं है, बल्कि हमारी सभी की साझा जिम्मेदारी है.

सूरत के हर कोने में साइबर संजीवनी वैन घूम-घूमकर लोगों को साइबर क्राइम से बचने में मदद कर रही है. गृह राज्य मंत्री ने सभी से आग्रह किया कि सोशल मीडिया पर अनजान लोगों की रिक्वेस्ट स्वीकार न करें और अपने सोशल मीडिया खातों की जानकारी सुरक्षित रखें. साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि शहर के सभी गणेश पंडालों में साइबर अपराध के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए नाटकों का प्रदर्शन किया जाए.

पुलिस कमिश्नर अनुपमसिंह गहलोत ने कहा कि साइबर संजीवनी अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को साइबर क्राइम के प्रति जागरूक करना और शहर को साइबर सुरक्षित सूरत बनाना है. किसी भी शहर को सुरक्षित और संरक्षित रखने में पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका होती है. उन्होंने बताया कि सूरत साइबर अपराधों के मामलों का लगातार निपटारा कर रहा है और पीड़ितों को उनके पैसे वापस दिला रहा है. कार्यक्रम के दौरान साइबर धोखाधड़ी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक फिल्म दिखाई गई, जिसे उपस्थित लोगों ने दिलचस्प और उपयोगी पाया. साथ ही साइबर धोखाधड़ी से बचने के लिए एक नाटक भी प्रस्तुत किया गया, जिसे सभी ने देखा और सराहा.

श्री कुशल कांति खरतरगच्छ जैन श्री संघ पाल में हुआ तपस्वियों का पारणा

क्रांति समय | सूरत, शहर के पाल में श्री कुशल कांति खरतरगच्छ जैन श्री संघ पाल स्थित श्री कुशल कांति खरतरगच्छ भवन में युग दिवाकर खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म. सा. की निश्रा में रविवार 8 सितंबर को तपस्वियों का पारणा हुआ. अट्ठाई और अट्ठाई से उपर की सभी तपस्याओं का शाही पारणा (मासक्षमण, 51, 45, 36, इत्यादि) सुबह ठीक 8 बजे श्री कुशल कांति खरतरगच्छ जैन भवन में हुआ. महामंगलकारी सिद्धितप के दोनों टाइम के बिआसणे श्री सुधर्म प्रवचनपुरम मंडप में हुआ. सुबह की नवकारसी, दोपहर का श्री संघ स्वामीवात्सल्य और शाम का श्री संघ स्वामीवात्सल्य श्री शालीभद्रपुरम भोजन खंड में हुआ. इसके लाभार्थी गवरीदेवी उदयराजजी मंडोवरा परिवार सिणधरी, सूरत था. संघ के अध्यक्ष ओमप्रकाश मंडोवरा और युवा परिषद के अध्यक्ष मनोज देसाई ने विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि संवत्सरी महापर्व की भव्य आराधना करके सांवत्सरिक प्रतिक्रमण करके सकल श्री संघ को खमाने के बाद सोमवार 9 सितंबर को 51 उपवास और महामंगलकारी सिद्धितप का शाही पारणा सुबह 8 बजे श्री मोढ वणिक वाड़ी में होगा. सुबह की नवकारसी,

दोपहर और शाम का श्री संघ स्वामीवात्सल्य श्री शालीभद्रपुरम भोजन खंड में होगा. इसके लाभार्थी शा शांतीलालजी लालचंदजी केवलचंदजी मंडोवरा परिवार सिणधरी, सूरत है. गुरुदेव ने आज सभी युवा परिषद के युवाओं से कहा कि आपने शासन की खूब सेवा की है इसी शक्ति के साथ हरदम शासन की सेवा करते रहना है 10 तारीख को सुबह 8 बजे सभी तपस्वी का वरघोड़ा होगा.

सूरत में आदिवासी संस्कृति और विभिन्न योजनाओं की थीम के साथ गणेश विसर्जन

क्रांति समय | सूरत, सूरत वैसे तो विविधताओं के लिए जाना जाता है. सूरतवासी गणेश जी की स्थापना और विसर्जन अलग-अलग थीम पर करके एक अनोखा आकर्षण प्रस्तुत करते है. वलसाड के सांसद धवलभाई पटेल द्वारा सूरत में गणेश जी की अनोखी विसर्जन यात्रा का आयोजन किया गया. आदिवासियों की विशाल उपस्थिति में आदिवासी संस्कृति के साथ यह विसर्जन यात्रा विजय डेयरी, गुजरात गैस सर्कल, अडाजण से पाल तालाब तक आयोजित की गई.

परंपरागत आदिवासी वेशभूषा, डांगी नृत्य, तुर नृत्य, घेरिया, तारपा नृत्य के साथ आदिवासी संस्कृति को उजागर किया गया. साथ ही विसर्जन यात्रा में "एक पेड़ लगाओ", "नो ड्रग्स", "प्रकृति बचाओ", "मां धरती को बचाओ", "पानी बचाओ" जैसे विषयों के माध्यम से लोगों को जागरूक भी किया गया.

सिविल अस्पताल में महाराष्ट्र के 14 वर्षीय साहिल के घुटने की सफल सर्जरी

क्रांति समय | सूरत, महाराष्ट्र से अपने पिता का इलाज कराने आए परिवार के बेटे साहिल परदेशी की नई सिविल के डॉक्टरों ने जटिल घुटने की ढकनी की सफल सर्जरी कर बड़ी सफलता प्राप्त की है.

48 वर्षीय ज्ञानेश्वर परदेशी की रीढ़ की हड्डी का ऑपरेशन 15 दिनों बाद होना है। पिता-पुत्र की लाखों की चिकित्सा नई सिविल अस्पताल में निःशुल्क हो रही है, जिस पर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने डॉक्टरों की सेवा की सराहना की है.